संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 161
पृष्ठ 8
रविवार
01 मार्च 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- एक्ने को दूर करेगा एलोवेरा...

विचार- विषयः आधुनिक कविता...

खेल- 91 साल के इतिहास में पहली बार...

पहले माफिया शासन चलाते थे, सीएम योगी बोले

आज देश और दुनिया का हर बड़ा निवेशक यूपी आना चाहता है

लखनऊ, संवाददाता। होली पर उत्तर प्रदेश के 1.86 करोड़ उज्ज्वला परिवारों को यूपी सरकार की तरफ से गैस सिलिंडर रीफिल सब्सिडी दी गई। शनिवार को राजधानी लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यह सौगात दी। लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में 1,500 करोड़ की ध ानराशि वितरित की गई।

इस मौके पर डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा कि होली पर सब गिले शिकवे भुला देते हैं। हमारी मां चूल्हे पर रोटी बनाती थीं। पीएम मोदी का आभार, जो गैस कनेक्शन दिए। कांग्रेस राज में सिफारिश पर सिलिंडर मिलता था। अब केवल जमींदार के घर पर ही गैस नहीं है, बल्कि आमजन के घर पर भी है। पहले कोटेदार के यहां कार्ड रहते थे। अब झोला मिल रहा है। कोटेदार का भी ध्यान रखा गया है। कोरोना काल में तेल दिया गया। कहा कि, लोग भरमाएंगे लेकिन, चक्कर में न आना। यही नहीं अब तीन तलाक नहीं कह सकते हैं। अब बिना जुगाड़ के नौकरी लगती है।

वहीं डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि पहले जिसके यहां शौचालय बना होता था, उसे अमीर जिसके यहां नहीं हना होता था, उसे गरीब माना जाता था। इस तरह गरीब और अमीर की पहचान की जाती थी। लेकिन, अब हर घर में शौचालय बना है। आज आयुष्मान कार्ड से गर गरीब को निशुल्क इलाज मिल रहा है। बलिया से उज्ज्वला योजना की शुरुआत हुई थी। 10 करोड़ से अधिक लोगों को इस योजना का सिलिंडर मिला। अमीरी–गरीबी की खाई पाटने का काम किया। मुख्यमंत्री आवास भी मिल रहा है। विधवा दिव्यांग महिलाओं को भी आवास दे रहे हैं। कहा कि, दो करोड़ महिलाओं को और समूह से जोड़ेंगे। माताएं–बहनें कमल का बटन दबाती हैं। प्रचार की जिम्मेदारी संभालने है। समाजवादी पार्टी के गुंडे पहले परेशान करते थे। वोट न देने वालों की भी सेवा की है।

इस मौके पर सीएम योगी ने सबसे पहले प्रदेशवासियों को होली की बधाई दी। कहा कि होली पर्व समता का पर्व है, न कोई बड़ा न कोई छोटा। यूपी की डबल इंजन सरकार ने यह योजना 2022 में शुरू की थी। इसी कड़ी में आज 1500 करोड़ की राशि उपलब्ध कराई गई है। लाभार्थी होली के पहले या होली के बाद अपने नजदीकी एजेंसी से भरा हुआ सिलिंडर फ्री में ले सकते हैं।

टीम प्लेयर नहीं बने तो खैर नहीं!

पंजाब कांग्रेस नेताओं पर बरसे राहुल गांधी, दी बड़ी चेतावनी

चंडीगढ़ (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने शनिवार को पंजाब में पार्टी कार्यकर्ताओं को चेतावनी दी कि वे टीम प्लेयर बनें, अन्यथा पार्टी हाई कमांड उन्हें ठीक कर देगा। पंजाब के बरनाला में एक जनसभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि कोई भी नेता पार्टी से बड़ा नहीं होता। उन्होंने कहा कि मैं कांग्रेस को भी एक संदेश देना चाहता हूं। काम टीम वर्क से होता है। एक खिलाड़ी खेल नहीं जीत सकता। यहां हमारी पूरी टीम बैठी है, और मैं आपको एक संदेश देना चाहता हूं। टीम प्लेयर बनें, वरना हम आपको रिजर्व में रख देंगे। आप चाहे कितने भी बड़े नेता क्यों न हों।

राहुल ने साफ तौर पर कहा कि मैं आपको बता रहा हूं, आप चाहे कितने भी बड़े नेता क्यों न हों, कोई भी पार्टी से बड़ा नहीं होता। टीम प्लेयर बनें। और अगर आप ऐसा नहीं करते हैं, तो खरगे जी और मैं आपको ठीक कर देंगे। हमारी असली ताकत हमारे कार्यकर्ता हैं। वे ही हमारी असली ताकत हैं। राहुल गांधी की ये टिप्पणियां 2027 के विधानसभा चुनावों से पहले पंजाब कांग्रेस में गुटबाजी की अफवाहों के बीच आई हैं।

कांग्रेस नेताओं के बीच दरार तब और बढ़ गई जब कांग्रेस से निलंबित होने के कुछ महीनों बाद, पूर्व विधायक नवजोत कौर सिद्धू ने 1 फरवरी को पार्टी से इस्तीफा दे दिया और अमरिंदर सिंह राजा वारिंग पर भ्रष्टाचार के आरोपों को दोहराया। एक पोस्ट में, नवजोत कौर सिद्धू ने राजा वारिंग पर कांग्रेस के खिलाफ आम आदमी पार्टी और मुख्यमंत्री भगवंत मान के साथ मिलीभगत करने का आरोप लगाया।

उन्होंने लिखा कि राजा वारिंग, अब तक के सबसे घिनौने, अक्षम और भ्रष्ट अध्यक्ष।

आंध्र प्रदेश पटाखा फैक्टरी धमाके में 18 लोग हताहत, छह की हालत गंभीर

अमरावती, एजेंसी। आंध्र प्रदेश के काकीनाडा जिले में एक पटाखा फैक्टरी में धमाके के बाद 18 लोगों के हताहत होने की खबर है। राहत और बचाव कार्य में लगी पुलिस की टीम ने कहा कि मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है। राज्य की गृह मंत्री वंगालपुडी अनीता ने बताया कि पटाखा फैक्टरी में धमाके के बाद 18 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। गृह मंत्री के मुताबिक धमाके में गंभीर रूप से घायल कई लोगों को इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया कि ध ामाके में घायल हुए छह लोगों की हालत गंभीर है। पटाखा फैक्टरी में धमाके पर राज्य के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने दुख जताया। अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर एक पोस्ट में नायडू ने लिखा, काकीनाडा जिले के वेतलापलेम गांव में एक पटाखा बनाने वाली यूनिट में हुए धमाके की खबर विचलित करने वाली है। इस हादसे में कई लोगों की जान गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने हादसे के बारे में अधिकारियों से जानकारी ली है और उन्हें पीड़ितों को हरसंभव मदद मुहैया कराने का निर्देश दिया गया है। सीएम नायडू ने कहा, राहत और बचाव कार्यों पर सरकार नजर रख रही है। स्थानीय अधिकारियों के मुताबिक, जब धमाका हुआ उस समय पटाखा बनाने वाली इस फैक्टरी में करीब 20 लोग काम कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने हादसे की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों और मंत्रियों को घटनास्थल पर जाने के निर्देश दिए हैं।

इंडिगो और एअर इंडिया ने जारी की ट्रैवल एडवाइजरी, कहा- पश्चिम एशिया की स्थिति पर रख रहे नजर

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडिगो एयरलाइंस ने शनिवार को यात्रियों के लिए परामर्श (एडवाइजरी) जारी किया। इसमें कहा गया कि वह क्षेत्र में बदले बदलते भू–राजनीतिक माहौल के बीच ईरान और उसे हवाई क्षेत्र से जुड़े अपडेट पर नजर बनाए हुए है। इसके अलावा, एअर इंडिया ने भी ट्रैवल एडवाइजरी जारी की है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म श्एक्सश पर एक पोस्ट में इंडिगो ने कहा, श्हम ईरान और उसके हवाई क्षेत्र से जुड़े अपडेट पर करीब से नजर बनाए हुए हैं। हमारे यात्रियों और चालक दल के सदस्यों (क्रू) की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। स्थिति बदलने पर हमारी टीमें किसी जरूरी बदलाव को लागू करने के लिए तैयार हैं। एयलाइन ने यात्रा से पहले अपनी उड़ान की स्थिति की जांच करने की सलाह दी। इंडिगो ने कहा, यात्रियों को यात्रा से पहले अपनी उड़ान की स्थिति की जांच करने की सलाह दी जाती है। किसी भी प्रभाव की स्थिति में अपडेट पंजीकृत संपर्क विवरण के जरिये तुरंत साझा किए जाएंगे। इंडिगो ने आगे कहा कि वह यात्रियों को लगातार जानकारी देता रहेगा और इस अवधि के दौरान पूरी तरह सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध रहेगा। इंडिगो ने एक्स पर एक अन्य पोस्ट में कहा, ईरान और पश्चिम एशिया के आसपास हवाई क्षेत्र प्रतिबंधों में बदलावों को देखते हुए वहां से आने–जाने वाली सभी उड़ानें 0000 बजे तक रद्द कर दी गई हैं। यह निलंबन भारतीय समयानुसार 0000 बजे तक लागू रहेगा। एक सूत्र के मुताबिक, दुबई, जेद्दा, दोहा, अबू धाबी, दम्माम, बहरीन, शारजाह, कुवैत और रस अल–खैमाह से आने–जाने वाली उड़ानें निलंबित कर दी गई हैं।

राजस्थान विकास के नये पथ पर अग्रसर : मोदी

अजमेर, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भजनलाल सरकार की प्रशंसा करते हुए कहा है कि संतोष है कि राजस्थान विकास के नये पथ पर अग्रसर हैं और विकास के जिन वायदों के साथ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार यहां लोगों की सेवा में आयी थी, उन्हें तेजी के साथ पूरा कर रही है।

श्री मोदी ने शनिवार को यहां एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि कुछ समय पहले भी प्रदेश की भाजपा की डबल इंजन सरकार के दो साल पूरे हुए हैं और उन्हें संतोष है कि राजस्थान विकास नये पथ पर अग्रसर हैं। आज का दिन भी विकास के इसी अभियान को तेज करने का दिवस है और थोडी देर पहले यहां राजस्थान विकास से जुडी करीब 17 हजार करोड़ रुपये की परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण हुआ हैं। उन्होंने कहा कि सड़क, बिजली, पानी, स्वास्थ्य, शिक्षा हर क्षेत्र में नयी शक्ति जुड रही है। ये सारे प्रोजेक्ट राजस्थान की जनता की सुविधा बढ़ायेंगे, वहीं युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी पैदा करेंगे।

उन्होंने कहा कि भाजपा की डबल इंजन सरकार लगातार युवा शक्ति को सशक्त कर रही है

और दो साल पहले तक राजस्थान से भर्ती में भष्टाचार और पेपर लीक की ही खबरें आती रहती थी। अब राजस्थान में पेपर लीक पर लगाम लगी है और दोषियों पर सख्त कार्रवाई हो रही है और आज यहां इसी मंच से राजस्थान के 21 हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र सौपें गये हैं। उन्होंने कहा, " बहुत बड़ा बदलाव आया हैं और इस बदलाव के लिए नयी नौकरियों के लिए विकास के सभी कामों के लिए प्रदेश के आप सभी लोगों को बध ाई देता हूं। "

श्री मोदी ने कहा कि उन्हें वीरांगनाओं की धरती राजस्थान से देश भर की बेटियों के लिए अहम अभियान शुरू करने का अवसर मिला है और यह अभियान देश की नारी शक्ति को सशक्त करने की दिशा में अहम कदम हैं। सब जानते हैं कि परिवार में जब मां बीमार होती है, तो घर बिखरता जाता है, मां स्वस्थ है तो परिवार हर संकट का सामना करने में सक्षम रहता हैं। इसी भाव से भाजपा सरकार ने महिलाओं को संबल देने वाली अनेक योजनाएं चलायी हैं। उन्होंने कहा, " आपने वर्ष 2014 से पहले का दौर देखा है कि शौचालय के अभाव में महिलाओं को पीड़ा एवं अपमान झेलना पडता था। महिलाओं के लिए अलग से शौचालय की सुविधा नहीं होती थी। पहले सत्ता में जो रहे, उनके लिए ये छोटी बातें होती थी, लेकिन हमारे लिए यह बहन–बेटियों को बीमार करने वाले उनके अपमान से जुड़ा संवेदनशील मसला था। इसलिए इसका मिशन मोड़ पर समाधान किया गया।

उन्होंने कहा कि सुरक्षित मातृत्व के लिए योजना चलायी गयी और महिलाओं को धुएं से बचाने के लिए उज्ज्वला गैस योजना बनायी गयी, यह सब इसलिए संभव हुआ कि हमारी सरकार संवेदनशीलता के साथ काम करती है। उन्होंने कहा कि आज का समय राजस्थान के विकास के लिए बड़ा महत्वपूर्ण हैं और डबल इंजन सरकार राजस्थान में विरासत और विकास दोनों को साथ लेकर चल रही है।

उन्होंने कहा, " सब जानते हैं कि अच्छी सड़क, अच्छी रेल और हवाई सुविधा सफर ही आसान नहीं करती, बल्कि पूरे इलाके का किस्मत बदल देती हैं। किसान अपनी फसल सही दाम पर बेच पाता हैं वहीं व्यापारी अपना माल आसानी से बाहर बेच पाते हैं। "

श्री मोदी ने कहा कि अच्छी कनेक्विटी का पर्यटन पर भी असर पड़ता और जब पर्यटक आते हैं, तो जाहिर है कि ढाबे और होटल चलते हैं और एक पर्यटक कई परिवार की रोजी–रोटी बन जाता है।

चुनाव से पहले ममता का महिला सुरक्षा पर जोर

कोलकाता में पिंक बूथ और शाइनिंग पेट्रोलिंग टीमों का एलान

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आगामी चुनाव से पहले महिलाओं की सुरक्षा मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने कोलकाता पुलिस की दो नई पहलों की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर बताया कि शहर के प्रमुख चौराहों पर ऑल–वुमन पिंक बूथ स्थापित किए जाएंगे,

जो शाम से लेकर आधी रात तक संचालित रहेंगे। इन बूथों पर तैनात महिला पुलिसकर्मी सीधे तौर पर महिलाओं की सहायता और शिकायतों पर तुरंत कार्रवाई कर सकेंगी। उन्होंने कहा कि इन पिंक बूथों के जरिए शहर की महिलाएं जरूरत पड़ने पर सीधे महिला अधिकारियों से संपर्क कर सकेंगी, जिससे सुरक्षा के प्रति भरोसा और बढ़ेगा। इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने श्शाइनिंगश नाम से ऑल–वुमन मोबाइल पेट्रोलिंग टीमों की तैनाती की भी घोषणा की। ये टीमें रात 8 बजे से सुबह 2 बजे तक ईएम बाइपास और शहर की अन्य प्रमुख सड़कों पर गश्त करेंगी, जिनका इस्तेमाल बड़ी संख्या में कामकाजी महिलाएं रात के समय करती हैं। ममता बनर्जी ने कहा कि कोलकाता वर्षों से देश का सबसे सुरक्षित शहर बना हुआ है और ये दो नई पहल महिलाओं की सुरक्षा व्यवस्था को और सशक्त बनाने में अहम भूमिका निभाएंगी। कोलकाता पुलिस के अधि ाकारियों द्वारा इन पहलों की तैनाती, संचालन और रणनीति से जुड़े विस्तृत दिशा–निर्देश जल्द साझा किए जाने की उम्मीद है।

इलाहाबादी अन्दाज़ में रँगी फागुनीः महफ़िल

प्रयागराज। फाल्गुन शुक्ल द्वितीया के दिन सारस्वत सभागार, लूकरगंज में लिटरेरी क्लब (इलाहाबादी साहित्यिक अड्डा) एवं साहित्यांजलि प्रज्योदि के संयुक्त तत्त्वावधान में ठेठ इलाहाबादी अंदाज में हँसी–ठिठोली, गीत–गवनई के साथ फूल और गुलाल से होली खेली गई। सूफ़ी परंपरा का निर्वहन करने वाले मारूफ शायर अनवार अब्बास नकवी ने मूर्खानन्द की पदवी स्वीकारते हुए अध्यक्षता की। लंठाधिराज डॉ० प्रदीप चित्रांशी मुख्य अतिथि रहे। बेवकूफ़ानन्द आकाशवाणी के पूर्व निदेशक लोकेश शुक्ल रहे। फागुनी क्वीन संगीता श्रीवास्तव ने संचालन किया।

कार्यक्रम की शुरुआत लोकेश शुक्ल ने गणेश स्तुति और सरस्वती वन्दना से की। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे अनवार अब्बास ने कहा कि होली में रंग मात्र खेलने के लिए नहीं बल्कि उसकी आध्यात्मिकता को महसूस करने की जरूरत है क्योंकि हर रंग की अपनी अनूठी ऊर्जा होती है जो हमारी भावनाओं के साथ–साथ निर्णय लेने की क्षमता को भी प्रभावित करती है इसीलिए काशी, मथुरा–वृन्दावन से इतर इलाहाबाद की होली 'सहनशीलताश का पाठ पढ़ाती है। डॉ प्रदीप चित्रांशी ने गुझिया की कथा सुनाते हुए कहा कि होली में पापड़, कचरी, सेव के साथ गुझिया जिसे संस्कृत में 'करणिकाश कहते हैं, यह एक ऐसी मिठाई है जिसने अहंकार को समाप्त करने के लिए अपने अंदर मावा शक्कर मेवा के सम्मिश्रण को समेट कर,खोलते हुए घी में डुबकी लगाई और उसकी सोंधी महक को ग्रहण कर मिठास कि वह धारा बन गई जिससे वशीभूत होकर दोस्त छोड़िए दुश्मन भी गले मिलने लगे। दुनिया में इकलौता ऐसा त्योहार है, जिसमें हर रंग और व्यंजन की अपनी निज पहचान है तथा 'संवाद में मिठासश हो सिखाती है। डॉ० राहुल शुक्ल 'साहिल' ने रंगों के वैज्ञानिक एवं चिकित्सकीय महत्व पर अपने विचार साझा किए, जिसे सभी ने अत्यंत उपयोगी बताया। 'इलाहाबादी होली' के परिपेक्ष्य में रंजन पाण्येय ने रंगों के विभिन्न आयामों पर बेहतरीन शब्द चित्र खींचे। प्रीता वाचपेई के गीत और फरफूद की हज़ल ने दर्शकों को होली है कहने पर मजबूर कर दिया।

इसके अलावा आदि आदित्य कुमार सिंह, हरीश त्रिपाठी,दिनेश अग्रवाल, संजय सक्सेना, रचना सक्सेना, शरत श्रीवास्तव, डॉ० राधे कृष्ण, डॉ० अनीता श्रीवास्तव नवीन सिन्हा एवं नवाब जाफर की काव्यात्मक प्रस्तुति से श्रोता वाह वाह करते रहे। साकिब सिद्दीकी 'बादलश ने एक–दूसरे पर पुष्प वर्षा करते हुए इलाहाबादी अन्दाज में गुलाल लगाया गया तथा आभार व्यक्त किया।

लेखपालों ने शिकायतकर्ता से कहा- अगर मकान बनाना है तो देने होंगे दो लाख रुपये

प्रयागराज। सोरांव तहसील क्षेत्र में मकान निर्माण न रोकने के एवज में एक लाख रुपये की रिश्वत के साथ लेखपालों की गिरफ्तारी के मामले में एंटी करप्शन की टीम की जांच में कई अहम खुलासे हुए हैं। सोरांव तहसील क्षेत्र में मकान निर्माण न रोकने के एवज में एक लाख रुपये की रिश्वत के साथ लेखपालों की गिरफ्तारी के मामले में एंटी करप्शन की टीम की जांच में कई अहम खुलासे हुए हैं। पता चला है कि लेखपालों ने शिकायतकर्ता से कहा था कि अगर मकान बनवाना है तो दो लाख रुपये देने होंगे। रुपये नहीं मिले तो मकान नहीं बनने दिया जाएगा।

शुक्रवार को एंटी करप्शन की टीम ने आरोपियों को न्यायालय के समक्ष पेश किया, जहां से दोनों लेखपाल राजशेखर सिंह और जूही मिश्रा को जेल भेज दिया गया। दर्ज एफआईआर के मुताबिक, शिकायतकर्ता अधिवक्ता ने बताया कि वह नवाबगंज मलाक हरहर उपरहार गांव सुमेरी का पुरा में अपने नाना के घर में रहते हैं। उक्त मकान काफी जर्जर होने से नानी जनवरी 2026 में इसे गिरवाकर पक्के मकान का निर्माण कराने लगीं। आरोप लगाया कि 15 फरवरी को लेखपाल राजशेखर ने घर आकर कहा कि मकान अवैध है। उन्हें बताया गया कि मकान को करीब 50 वर्ष पहले बनवाया गया था।

मकान बनवाने के एवज में दो लाख रुपये मांगने पर जब देने से इन्कार कर दिया तो कहा गया कि अपने मकान का निर्माण बंद करा दो। आरोप है कि डेढ़ लाख रुपये में डील हुई। इसके बाद शिकायतकर्ता ने पहले एक लाख रुपये देने की बात कहकर बाद में 50 हजार रुपये और देने की बात कही। मामला एंटी करप्शन टीम के पास पहुंचा तो ट्रैप लगाया गया। इसके बाद शिकायतकर्ता ने जैसे ही 500–500 रुपये के 200 नोट रिश्वत के तौर पर दिए, टीम ने आरोपियों को रंगे हाथ पकड़ लिया।

सूर्य देव ने दिखाए कड़े तेवर, फरवरी में ही 33 डिग्री के पार पहुंचा पारा

प्रयागराज। संगमनगरी में इस बार मौसम का तेवर समय से पहले ही तल्ख होने लगा है। अभी फरवरी का महीना खत्म भी नहीं हुआ है और सूर्य देव ने अपने कड़े तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। संगमनगरी में इस बार मौसम का तेवर समय से पहले ही तल्ख होने लगा है। अभी फरवरी का महीना खत्म भी नहीं हुआ है और सूर्य देव ने अपने कड़े तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। शुक्रवार को मात्र 24 घंटे के भीतर शहर के अधिकतम तापमान में चार डिग्री व न्यूनतम तापमान में दो डिग्री की बढ़ोतरी

सेल्सियस की बढ़ोतरी दर्ज की गई। दिन में लोगों को चटख धूप और गर्मी का सामना करना पड़ा। मौसम विभाग के आंकड़ों पर नजर डालें तो शुक्रवार को अधिकतम तापमान 33.2 डिग्री व न्यूनतम 14.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से कहीं अधिक है। इससे पहले अधिकतम तापमान साल 2013 में 27 फरवरी को पारा 32.7 एवं वर्ष 2023 में 34.8 डिग्री पर पारा पहुंचा था। हालांकि, फरवरी में अब तक का सबसे उच्चतम तापमान 26 फरवरी 2006 को दर्ज किया गया था, तब पारा 36.3 डिग्री तक जा पहुंचा था। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के मौसम विज्ञानी डॉ. शैलेश राय का कहना है कि आने वाले दिनों में राहत के कोई आसार नहीं हैं। आसमान साफ रहने और तेज धूप के कारण तापमान में और इजाफा होने की संभावना है। अनुमान लगाया जा रहा है कि होली आते–आते दिन का पारा 35 डिग्री सेल्सियस की लक्ष्मण रेखा को पार कर सकता है।

घटना का मूल कारण अगर ट्रांसजेंडर की पेशागत प्रतिद्वंद्विता तो लागू नहीं होगा एससी/एसटी एक्ट

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि यदि घटना का मूल कारण ट्रांसजेंडर की पेशागत प्रतिद्वंद्विता हो और जातिसूचक शब्दों के प्रयोग का आरोप न हो तो एससी/एसटी एक्ट की धारा लागू नहीं होगी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि यदि घटना का मूल कारण ट्रांसजेंडर की पेशागत प्रतिद्वंद्विता हो और जातिसूचक शब्दों के प्रयोग का आरोप न हो तो एससी/एसटी एक्ट की धारा लागू नहीं होगी। यह आदेश न्यायमूर्ति अनिल कुमार दशम की एकलपीठ ने उन्मोचन प्रार्थनापत्र पर सुनवाई करते हुए दिया। आरोपियों के खिलाफ मुजफ्फरनगर के मंसूरपुर थाने में मारपीट और एससी/एसटी एक्ट समेत अन्य गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज हुई थी। इसपर मुजफ्फरनगर के विशेष न्यायाधीश (एससी/एसटी एक्ट) के कोर्ट में जमानत अर्जी दायर की गई थी। कोर्ट ने पांच अगस्त 2025 को जमानत अर्जी खारिज कर दी। इस आदेश के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील दायर की गई।

बचाव पक्ष के अधिवक्ता ने दलील दी कि घटना के दौरान किसी भी प्रकार के जातिसूचक शब्दों के प्रयोग का आरोप नहीं है और न ही यह दर्शाया गया है कि कथित घटना केवल इस कारण हुई कि वादी अनुसूचित जाति/जनजाति समुदाय से है। दोनों पक्ष ट्रांसजेंडर हैं और पारंपरिक पेशागत गतिविधियों में संलग्न हैं।

क्षेत्र में प्रवेश को लेकर उत्पन्न विवाद को आपसी पेशागत प्रतिद्वंद्विता का परिणाम बताया। साथ ही याची के गुरु ने पुलिस को दिए बयान में कहा था कि किसी ट्रांसजेंडर के समूह में शामिल होने के बाद उसकी पूर्व जाति का अस्तित्व समाप्त हो जाता है। कोर्ट ने पांच अगस्त 2025 के आदेश को आंशिक रूप से निरस्त करते हुए एससी/एसटी एक्ट के तहत लगाए गए आरोप को समाप्त कर दिया। साथ ही आरोपियों के उन्मोचन प्रार्थनापत्र को स्वीकार कर लिया। कोर्ट ने कहा कि इस संबंध में दर्ज अन्य धाराओं में विधि के अनुसार आगे की कार्यवाही जारी रहेगी।

जेएनयू के छात्रों की गिरफ्तारी के खिलाफ आइसा ने निकाला जुलूस, यूजीसी रेगुलेशन एक्ट लागू करने की मांग

प्रयागराज। ऑल इंडिया स्टूडेंटस एसोसिएशन (आइसा) और इंकलाबी नौजवान सभा (आरवाईए) ने देशव्यापी प्रतिवाद के तहत जेएनयू के 14 छात्रों को जेल भेजे जाने के खिलाफ विरोध प्रदर्शन दर्ज किया। राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन जिला प्रशासन को सौंपा।

ऑल इंडिया स्टूडेंटस एसोसिएशन (आइसा) और इंकलाबी नौजवान सभा (आरवाईए) ने देशव्यापी प्रतिवाद के तहत जेएनयू के 14 छात्रों को जेल भेजे जाने के खिलाफ विरोध प्रदर्शन दर्ज किया। राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन जिला प्रशासन को सौंपा। यूजीसी रेगुलेशन पर रोक के खिलाफ जेएनयू छात्रसंघ और छात्र आंदोलनरत हैं। 22–23 फरवरी की रात में जेएनयू प्रशासन व सत्ता समर्थित गुंडों द्वारा धरना पर बैठे छात्रों पर हमला किया गया। यूजीसी रेगुलेशन 2026 को लेकर जेएनयू कुलपति की विवादास्पद टिप्पणी व छात्रों के लोकतांत्रिक ढंग से जारी आंदोलन को लेकर जेएनयू प्रशासन के गैर जवाबदेह रवैए से स्पष्ट है कि वह इन सवालों के हल करने को लेकर संवेदनशील व गंभीर नहीं है। इसके बाद ही 26 फरवरी को शिक्षा मंत्रालय से इन सवालों को हल करने के लिए आग्रह करने के लिए शांतिपूर्ण कार्यक्रम घोषित किया था।

पुलिस ने जेएनयू मेन गेट पर ताला लगा दिया गया और

बैरिकेडिंग कर छात्रों को गेट पर जबरन रोक दिया गया। यहां तक कि शिक्षा मंत्री से वार्ता कराने तक का प्रयास नहीं किया गया। उल्टे छात्रों के साथ बर्बरता की गई और छात्रों को गिरफ्तार कर लिया गया। इसमें से जेएनयू छात्रसंघ अध्यक्ष अदिति, उपाध्यक्ष गोपिका, जॉइंट सेक्रेटरी दानिश , पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष नीतीश कुमार व आइसा राष्ट्रीय अध्यक्ष नेहा बोरा समेत 14 छात्रों को तिहाड़ जेल भेज दिया गया। इसके खिलाफ जिलाधिकारी कार्यकाल पर प्रतिवाद करते हुए सभा की गई। आइसा के प्रदेश अध्यक्ष मनीष कुमार ने कहा कि सामाजिक न्याय और अधिकार की बात करने वाले लोगों पर मौजूदा सरकार बुलडोजर चला रही है।

यूजीसी की बात करने पर की जा रही है बर्बरता

इसलिए यूजीसी रेगुलेशन को रोहित एक्ट के तर्ज पर लागू करने वाले के साथ बर्बरता करती है और उन्हें जेल भेज रही है। इसके खिलाफ पूरे देश में पुरजोर विरोध हो रहा है। सरकार के बुलडोजर नीति को ध्वस्त किया जाएगा। सभा में इंकलाबी नौजवान सभा के प्रदेश सचिव सुनील मौर्य ने कहा कि शिक्षा और रोजगार दे सकने में मोदी सरकार नाकाम साबित हुई है और जब नौजवान इस पर सवाल करता है तो अपने अधिकार को मांग करता है तो पुलिस दमन करती है। मानवेंद्र ने कहा कि संविधान और सामाजिक न्याय की बात करने पर जेल भेजा जा रहा है जबकि जो असली अपराधी वह खुलेआम घूम रहे हैं।

भाजपा की सरकार इस देश में संविधान को खत्म कर मनुस्मृति का शासन लागू करना चाहती है और इसीलिए यूजीसी का रेगुलेशन उसके विचारों के हिसाब से उचित नहीं बैठ रहा है। इसके खिलाफ हम नौजवानों की लड़ाई जारी रहेगी। सभा में शामिल एडवोकेट धीरेंद्र यादव ने कहा कि इस सरकार में कानून का शासन नहीं बल्कि ताकतवर लोगों का मनमानापन चल रहा है। कानून के हिसाब से न्याय देने की बजाय जाति और धर्म देखकर के लोगों के साथ व्यवहार किया जा रहा है असवैधानिक रूप से बुल्डोजर चलाया जा रहा है। इसको बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। संचालन आइसा प्रदेश सचिव शशांक ने किया। कार्यक्रम में साक्षी, विपुल, पृथ्वीराज, हिमांशु, सुजीत, मंटू, आयुष, रुद्रांश, रौशन, शशिभूषण, आर्यन, हर्षित, नीरज, अमित आदि मौजूद रहे।

देश के खिलाफ पोस्ट न करने की शर्त पर पाकिस्तान जिंदाबाद पोस्ट करने वाले को हाईकोर्ट से मिली जमानत

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पाकिस्तान जिंदाबाद लिखकर इंस्टाग्राम पर पोस्ट करने के आरोपी युवक को सख्त शर्तों के साथ जमानत दे दी है। कोर्ट ने कहा कि आरोपी सोशल मीडिया पर देश की प्रतिष्ठा या किसी समुदाय के खिलाफ कोई आपत्तिजनक पोस्ट अपलोड नहीं करेगा।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पाकिस्तान जिंदाबाद लिखकर इंस्टाग्राम पर पोस्ट करने के आरोपी युवक को सख्त शर्तों के साथ जमानत दे दी है। कोर्ट ने कहा कि आरोपी सोशल मीडिया पर देश की प्रतिष्ठा या किसी समुदाय के खिलाफ कोई आपत्तिजनक पोस्ट अपलोड नहीं करेगा। यदि किसी भी शर्त का उल्लंघन किया जाता है तो जमानत निरस्त की जाएगी। यह आदेश न्यायमूर्ति अरुण कुमार सिंह देशवाल ने आरोपी फैजान की ओर से दायर जमानत अर्जी पर सुनवाई करते हुए दिया है।

आरोपी के खिलाफ एटा के जलेसर थाने में भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता

को खतरे में डालने वाले कार्य (पूर्व में लागू राजद्रोह से संबंधित प्रावधान भी शामिल) जैसे गंभीर आरोपों में एफआईआर दर्ज हुई थी। आरोपी को तीन मई 2025 में एटा पुलिस ने पहलगाम हमले के बाद अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कथित रूप से पाकिस्तान जिंदाबाद पोस्ट करने के आरोप में गिरफ्तार किया था। बचाव पक्ष के अधिवक्ता ने दलील दी कि भले ही पोस्ट आपत्तिजनक हो सकती है, लेकिन मामले में बीएनएस की धारा 152 लागू नहीं होती, क्योंकि आरोपी ने भारत के प्रति कोई अपमानजनक या अवमाननापूर्ण टिप्पणी नहीं की। सिर्फ शत्रु देश का समर्थन करना धारा 152 के दायरे में नहीं आता। आरोपी तीन मई 2025 से जेल में निरुद्ध है और जमानत मिलने पर वह स्वतंत्रता का दुरुपयोग नहीं करेगा। वहीं, राज्य सरकार की ओर से शासकीय अधिवक्ता ने जमानत अर्जी का विरोध किया। कोर्ट ने शर्तों के साथ आरोपी की जमानत मंजूर कर ली।

बीएनएस की धारा 152

इसके तहत भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता को खतरे में डालने वाले कार्यों जैसे अलगाववाद, सशस्त्र विद्रोह, विध्वंसक गतिविधियों को अपराध माना जाता है। यह आईपीसी की धारा 124 (ए) राजद्रोह का नया रूप है, जिसमें बोलकर, लिखकर, इलेक्ट्रॉनिक या वित्तीय साधनों से ऐसा करने पर आजीवन कारावास से लेकर सात साल तक की सजा का प्रावधान है।

बोर्ड परीक्षा में सॉल्वर सिंडिकेट के असली सूत्रधार कौन, जांच की मांग

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की बोर्ड परीक्षाओं में सॉल्वर सिंडिकेट का भंडाफोड़ हो चुका है। परिषद को शक है कि इस खेल के असली सूत्रधार कोचिंग संचालक, बिचौलिए और गिरोह के सरगना हैं।

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की बोर्ड परीक्षाओं में सॉल्वर सिंडिकेट का भंडाफोड़ हो चुका है। परिषद को शक है कि इस खेल के असली सूत्रधार कोचिंग संचालक, बिचौलिए और गिरोह के सरगना हैं, जो पर्दे के पीछे से पूरा सिंडिकेट चला रहे हैं। मामले को गंभीर मानते हुए परिषद के सचिव भगवती सिंह ने शुक्रवार को प्रदेश के डीजीपी को पत्र भेजकर पूरे नेटवर्क की गहन जांच और असली सरगनाओं के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की है।

प्रदेश के दस से अधिक जिलों में अब तक 22 किशोर/युवक और सात किशोरियों को पंजीकृत परीक्षार्थियों के स्थान पर परीक्षा देते पकड़ा गया है। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि कुछ कोचिंग संचालक और सहायक अध्यापक संगठित गिरोह बनाकर आर्थिक प्रलोभन देकर विद्यार्थियों को सॉल्वर के

रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। बोर्ड परीक्षा 12 मार्च तक प्रस्तावित है।

वॉयस रिकॉर्डर युक्त सीसीटीवी कैमरों से खुलीं परतें

इस बार परिषद ने परीक्षा केंद्रों पर वॉयस रिकॉर्डर युक्त सीसीटीवी कैमरों के साथ त्रिस्तरीय निगरानी व्यवस्था लागू की है। सचल दलों और एसटीएफ की सक्रियता से अब तक 22 से अधिक प्रकरण सामने आए हैं। एक केंद्र पर परीक्षा परिसर के बाहर उत्तरपुस्तिका लिखे जाने का मामला भी पकड़ा गया है। परिषद ने साफ किया है कि परीक्षा की पारदर्शिता से खिलवाड़ करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

गरीब व नाबालिग छात्रों को बनाया मोहरा

जांच में सामने आया है कि पकड़े गए अधिकांश सॉल्वर आर्थिक रूप से कमजोर या अल्पायु हैं। उन्हें मोटी रकम और भविष्य संवारने के झूठे वादों के सहारे इस अवैध कृत्य में धकेला गया। आरोपियों के खिलाफ उप्र सार्वजनिक परीक्षा अधिनियम–2024 की सुसंगत धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई है। परिषद के सचिव भगवती सिंह ने डीजीपी से मांग की है कि सॉल्वर गैंग के नेटवर्क को जड़ से खत्म करने के लिए सरगनाओं, अनैतिक कोचिंग संचालकों और बिचौलियों को चिह्नित कर कड़ी कार्रवाई की जाए। यदि जांच में परीक्षा केंद्रों के भीतर या बाहर से किसी केंद्र व्यवस्थापक, कक्ष निरीक्षक या अन्य कर्मचारी की संलिप्तता पाई जाती है तो विभाग को तत्काल सूचित कर उनपर भी सख्त कार्रवाई की जाए।

अदालतों के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियां किसी भी स्थिति में वैध नहीं: कोर्ट

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि अदालतों के खिलाफ गालीगलौज या मानहानिकारक टिप्पणियां किसी भी स्थिति में वैध नहीं मानी जा सकतीं। कहा कि फैसलों की सीमा से परे जाकर की जाने वालीं अपमानजनक टिप्पणियां 'फेयर कमेंट' या वैध आलोचना के दायरे में नहीं आती हैं। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि अदालतों के खिलाफ गालीगलौज या मानहानिकारक टिप्पणियां किसी भी स्थिति में वैध नहीं मानी जा सकतीं।

एसडीएम बनने के बाद प्रशासनिक सुधार के लिए क्या करेंगे, पीसीएस–2024 साक्षात्कार में प्रशासनिक क्षमता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग में चल रहे पीसीएस–2024 साक्षात्कार के दौरान शुक्रवार को अभ्यर्थियों की बहुआयामी समझ का अलग–अलग पैनल ने मूल्यांकन किया। एक अभ्यर्थी से पूछा गया कि आपको एसडीएम बना दिया जाए तो प्रशासनिक सुधार के लिए कौन–कौन से कार्य प्राथमिकता से करेंगे। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग में चल रहे पीसीएस–2024 साक्षात्कार के दौरान शुक्रवार को अभ्यर्थियों की बहुआयामी समझ का अलग–अलग पैनल ने मूल्यांकन किया। एक अभ्यर्थी से पूछा गया कि आपको एसडीएम बना दिया जाए तो प्रशासनिक सुधार

के लिए कौन–कौन से कार्य प्राथमिकता से करेंगे।

पैनल के सदस्यों ने प्रशासनिक क्षमता, संवैधानिक समझ और समसामयिक मुद्दों पर अभ्यर्थियों से प्रश्न पूछे। साक्षात्कार पैनलों ने अभ्यर्थियों की तार्किक सोच, निर्णय क्षमता को परखने पर विशेष जोर दिया। अभ्यर्थियों के अनुसार, एक महिला अभ्यर्थी से पूछा गया कि वह सिविल सेवा में क्यों जाना चाहती हैं। साथ ही किसानों के लिए ग्रामीण स्तर पर संचालित योजनाओं के बारे में सवाल किए गए। उनसे किसानों के बच्चों के लिए सरकार की ओर से संचालित योजनाओं के बारे में पूछा गया। एक अभ्यर्थी से एआई और रोजगार के अवसर पर सवाल पूछे गए। सामाजिक जीवन में व्यक्तिगत कमजोरी से जुड़े प्रश्नों के माध्यम से अभ्यर्थियों की आत्म विश्लेषण क्षमता परखी गई। एआई समिट के संदर्भ में ग्रामीण क्षेत्रों में इसके उपयोग पर भी सवाल पूछे गए।

सौर ऊर्जा से रेल अस्पताल की दीवारें भी पैदा करेंगी बिजली, 1.24 करोड़ का बजट पास

प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल ने एक बड़ा कदम उठाया है। मंडल के रेलवे अस्पतालों की छत और दीवारें सिर्फ ढांचा नहीं होंगी, बल्कि बिजली घर का काम करेंगी।

उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल ने एक बड़ा कदम उठाया है। मंडल के रेलवे अस्पतालों की छत और दीवारें सिर्फ ढांचा नहीं होंगी, बल्कि बिजली घर का काम करेंगी। पर्यावरण संरक्षण और ऊर्जा की बचत के लिए टूंडला स्थित रेलवे अस्पताल में अत्याधुनिक ऑनग्रिड बीआईपीवी (बिल्डिंग इंटीग्रेटेड फोटो वोल्टेइक) तकनीक वाला सौर ऊर्जा संयंत्र लगाया जाएगा। इस परियोजना के सफल होने के बाद इसे अन्य रेल भवनों पर भी लागू किया जाएगा।

इस महत्वपूर्ण परियोजना के लिए ई–निविदा (ऑनलाइन टेंडर) जारी कर दी गई है। अगले माह निविदा खुलेगी और उम्मीद है कि अक्तूबर 2026 तक यह संयंत्र पूरी तरह से काम करने लगेगा। इस कार्य पर रेलवे लगभग 1.24 करोड़ रुपये खर्च करने जा रहा है। बताते चलें कि यह तकनीक सामान्य सौर पैनलों से बिल्कुल जुदा है। आमतौर पर छतों पर लोहे के स्टैंड लगाकर भारी–भरकम पैनल लगाए जाते हैं, जिससे छत की जगह घिर जाती है। वहीं, ऑनग्रिड बीआईपीवी तकनीक में सौर सेल सीधे इमारत के ढांचे (छत या दीवारों) का हिस्सा बन जाते हैं। यह सौर ऊर्जा तो पैदा करते ही हैं, साथ ही भवन की निर्माण सामग्री (जैसे टाइल्स या कांच) के रूप में भी काम करते हैं।

इसके लिए अलग से स्टैंड या ढांचे की जरूरत नहीं पड़ती, जिससे छत पर जगह बचती है और इमारत बेहद आधुनिक भी नजर आती है। प्रयागराज मंडल के पीआरओ अमित कुमार सिंह ने बताया कि उत्तर मध्य रेलवे सौर ऊर्जा के क्षेत्र में पहले से ही अग्रणी है। ऑनग्रिड प्रणाली जुड़ने से अस्पताल के भारी–भरकम बिजली बिल में न केवल कटौती होगी, बल्कि कार्बन उत्सर्जन कम होने से प्रदूषण में भी गिरावट आएगी।

कंपनी के प्रचार–प्रसार के लिए एक होर्डिंग के देता था हजारों रुपये, प्रोजेक्ट के नाम पर की ठगी

प्रयागराज। सस्ते प्लॉट का सपना दिखाकर लोगों से अरबों रुपये की ठगी करने वाले शाइन सिटी के निदेशक राशिद नसीम को लेकर कई अहम जानकारियां सामने आई हैं।

सस्ते प्लॉट का सपना दिखाकर लोगों से अरबों रुपये की ठगी करने वाले शाइन सिटी के निदेशक राशिद नसीम को लेकर कई अहम जानकारियां सामने आई हैं। पता चला है कि उसने कंपनी खोलने के बाद शहर व आसपास के क्षेत्र में रियल एस्टेट प्रोजेक्ट के प्रचार–प्रसार के लिए होर्डिंग लगवाईं। किसानों व अन्य लोगों को एक होर्डिंग लगाने के एवज में प्रत्येक माह 20 से 25 हजार रुपये दिए जाते थे। आरोपी किसानों की जमीन को अपने रियल स्टेट प्रोजेक्ट की साइट बताकर लोगों से रुपये ठगता था।

करेली का रहने वाला नसीम करीब 20 साल पहले एक मल्टी लेवल मार्केटिंग कंपनी का एक मामूली एजेंट था। इसके बाद उसने अपनी कंपनी बनाकर सिविल लाइंस समेत अन्य शहरों में ऑफिस खोल लिए। उसने कंपनी के रियल एस्टेट प्रोजेक्ट के प्रचार–प्रसार के लिए खेतों में होर्डिंग लगवाईं। इसमें अपना और अपने एजेंटों का नंबर दिया। सस्ते दामों पर प्लॉट बुक कराने का झांसा देकर लोगों को ठगी का शिकार बनाया। बाद में उसके फरार होने पर मामले का खुलासा हुआ तो पीड़ित लोग थाने के चक्कर काटने लगे। शुरुआत में कुछ एफआईआर दर्ज करने के बाद पुलिस ने हाथ खड़े कर दिए। इसके बाद पीड़ित न्यायालय में इंसाफ की गुहार लगाने लगे। न्यायालय के आदेश पर सिविल लाइंस थाने में राशिद व उसके सहयोगियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज होने लगीं।

कंपनी खुलने के बाद राशिद नसीम ने कुछ लोगों को वाइस प्रेसिडेंट और मैनेजर के महत्वपूर्ण पदों पर रखा। प्लॉट की रजिस्ट्री पर इन्हीं लोगों के दस्तखत होते थे। बाद में प्लॉट न मिलने पर एफआईआर दर्ज हुईं तो दस्तखत करने वाले ही फंसे। पुलिस ने कंपनी के कई एजेंट समेत अन्य लोगों को गिरफ्तार कर लिया।

तिनसुकिया गोलाघाट की फरवरी माह की काव्य गोष्ठी संपन्न

तिनसुकिया गोलाघाट। शहर संता विचार मंच तिनसुकिया गोलाघाट की फरवरी माह की काव्य गोष्ठी दिनांक 26/2/2026 वार बृहस्पतिवार को ऑनलाइन रंजना बिनानी काव्या की अध्यक्षता धूमधाम से संपन्न हुई। कार्यक्रम की मुख्य अध्यक्ष राधा बिनानी एवं विशिष्ट अध्यक्ष अर्चना जी जायसवाल रही। मां शारदे की मूर्ति स्थापना माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन रंजना बिनानी द्वारा किया गया। तत्पश्चात मां शारदे की वंदना सीमा सिंघी जी द्वारा प्रस्तुत की गई। होली के पावन पर्व पर सभी ने अपनी–अपनी प्रस्तुतियां देकर मंच को सुशोभित किया। प्रस्तुति देने वाली....बहने.. मीना नागौरी ,सीमा सिंघी , सरला बजाज, पूनम अग्रवाल, भगवती बिहानी, रंजना बिनानी, एवं राधा बिनानी रही। कार्यक्रम संयोजक सरला बजाज जी द्वारा कुशल मंच संचालन किया गया, रंजना बिनानी जी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन द्वारा इस काव्य गोष्ठी का समापन किया गया। शहर समता गोलाघाट शाखा द्वारा प्रत्येक माह काव्य गोष्ठी का सफल आयोजन किया जाता है और हमारी सभी बहने काव्य गोष्ठी में बढ़–चढ़ के हिस्सा लेती है और कार्यक्रम को सफल बनाती है।

नवाचारी होलीः प्रकृति, गौ–वंश और सामाजिक समरसता का महासंगम

त्योहार वही है जो मन के साथ–साथ प्रकृति को भी महका दे। इस बार की होली केवल रंगों का खेल न हो, बल्कि एक ऐसा संकल्प हो जहाँ हम नफरत की लकड़ियाँ नहीं, बल्कि अपने भीतर के विकारों को जलाएं। आइए, वसंत के इस उत्सव को इस तरह मनाएं कि धरा भी मुस्कुराए।

भारत की पारंपरिक होली केवल हुड़दंग का नाम नहीं थी, बल्कि यह सामाजिक समरसता और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का महापर्व था। पुराने समय में जब फागुन की बयार चलती थी, तो पूरा गांव एक आंगन बन जाता था। टेसू के फूलों का केसरिया रंग और चंदन की महक वातावरण में प्रेम घोलती थी। लोग अपने पुराने मनमुटाव, आपसी रंजिश और कड़वाहट को अग्नि की भेंट चढ़ाकर गले मिलते थे। किंतु आज, आधुनिकता की दौड़ में हमने त्योहार के मूल स्वरूप को खो दिया है। रसायनों ने रंगों की जगह ले ली है और पेड़ों की अंधाधुंध कटाई ने उत्सव को प्रकृति विरोधी बना दिया है। आस्था के नाम पर हज़ारों हरे–भरे पेड़ों की बलि चढ़ाना न तो हमारी संस्कृति है और न ही वर्तमान की आवश्यकता।

एक 'नवाचारी समाज' का उत्तरदायित्व है कि वह उत्सव के उल्लास को जीव–जगत की सुरक्षा के साथ जोड़े। होलिका दहन के नाम पर हजारों क्विंटल लकड़ियों की आहुति हमारे पर्यावरण के लिए एक बड़ा संकट है। इसका सबसे वैज्ञानिक और आध्यात्मिक समाधान 'गोकाष्ठ' और 'गोबर के कंडों' में निहित है। अक्सर हम देखते हैं कि किसान के घर की लक्ष्मी यानी श्गौ–माताश जब तक दूध देती है, वह परिवार का हिस्सा रहती है। लेकिन बूढ़ी होते ही उसे अनुपयोगी मानकर सड़कों पर लावारिस छोड़ दिया जाता है। यही कारण है कि आज हमारी सड़कों पर गौ–वंश उपेक्षित होकर दुर्घटनाओं और भूख का सामना कर रहा है।

घ्यदि समाज में यह संकल्प लें कि इस होली पर हम लकड़ी का एक भी टुकड़ा नहीं जलाएंगे और केवल गोबर के कंडों का उपयोग करेंगे, तो एक अद्‌भुत आर्थिक चक्र जन्म लेगा। जब कंडों की मांग बढ़ेगी, तो गोबर का मूल्य बढ़ेगा। जब गोबर से आय होगी, तो कोई भी किसान अपनी बूढ़ी गाय को श्बोझश समझकर सड़क पर नहीं छोड़ेगा, बल्कि उसे ससम्मान अपने खूँटे से बांधकर रखेगा। इस तरह, होली की एक मशाल सड़कों पर भटकती गायों को पुनः घर और सम्मान दिला सकती है। यह न केवल प्रदूषण कम करेगा, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी नई ऊर्जा देगा।

होली का असली अर्थ तब तक अधूरा है, जब तक समाज का एक हिस्सा अभावों के अंधेरे में बैठा हो। इस बार की होली का एक अध्याय उन झोपड़ियों और बस्तियों के नाम होना चाहिए जहाँ खुशियाँ पहुँचने से कतराती हैं। विशेष रूप से, हमें उन श्स्वच्छता दूतोंश (सफाई कामगारों) के प्रति अपनी सोच बदलनी होगी, जो समाज की गंदगी साफ करते हैं ताकि हम स्वस्थ रह सकें। जिन्हें समाज अक्सर श्गंदाश मानकर दूरी बना लेता है, वे वास्तव में हमारे श्स्वास्थ्य रक्षकश हैं। होली वह पावन अवसर है जो श्छुआछूतश और श्ऊंच–नीचश की हर दीवार को ढहा देता है। हमें चाहिए कि हम उन सफाई मित्रों के साथ रंग खेलें, उन्हें गले लगाएं और उनके बच्चों के साथ खुशियाँ साझा करें। जब हम उन हाथों में गुलाल लगाएंगे जो सारा साल हमारे रास्तों को सुगम बनाते हैं, तभी मानवीय संवेदनाओं की सच्ची होली खेली जाएगी।

होली का असली रंग श्भाईचाराश है। वर्तमान समय में त्योहारों के दौरान आपसी तनाव, दंगे–फसाद या उग्र हुड़दंग की खबरें मन को व्यथित करती हैं। हमें याद रखना होगा कि जिस अग्नि में भक्त प्रह्लाद सुरक्षित रहे, वह अग्नि हमें प्रेम और सुरक्षा का संदेश देती है, नफरत का नहीं। होली नफरत मिटाने का पर्व है, नफरत फैलाने का नहीं। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हमारे उत्सव से किसी की भावनाओं को ठेस न पहुंचे और न ही किसी भी प्रकार का विवाद जन्म ले। शांतिपूर्ण उत्सव ही हमारे समाज की परिपक्वता का प्रमाण है।

अंततः, होली केवल एक तिथि नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता और संस्कृति के उस शाश्वत सत्य का उत्सव है, जो हमें श्स्वश से ऊपर उठकर श्सर्वश के कल्याण की शिक्षा देती है। हमारी संस्कृति श्वसुधैव कुटुंबकमश की पक्षधर है, जहाँ प्रेम ही एकमात्र भाषा है और करुणा ही एकमात्र धर्म। आइए, इस फागुन में हम अपनी महान विरासत को नमन करें, जहाँ कण–कण में शंकर और हर जीव में ईश्वर का वास देखा गया है।

घ्नफरत की दीवारें गिरें, ऊंच–नीच के भेदभाव मिटें और प्रेम का गुलाल हर चेहरे पर अपनी आभा बिखेरे। हमारी प्राचीन परंपराओं का मान बढ़े, प्रकृति का आँचल सुरक्षित रहे और गौ–माता के सम्मान की रक्षा हो। इसी पावन संकल्प और निश्छल प्रेम के साथ, आप सभी को होली के इस दिव्य पर्व की अनंत शुभकामनाए ।

डॉक्टर संगीता बनाफर
देश अध्यक्ष शै.विश्व हिंदी परिषद
नई दिल्ली भारत छत्तीसगढ़

गंगानाथ झा परिसर का दृश्य–श्रव्य अंकन केन्द्र विद्वानों के ज्ञान का संरक्षित कोष–कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी

प्रयागराज। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय का प्रयागराज स्थित गंगानाथ झा परिसर आज अपनी अभूतपूर्व उपलब्धि के कारण इतिहास के पन्नों में सदैव के लिए अंकित हो गया। परिसर आज उस गौरवपूर्ण क्षण का साक्षी बना जब केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के यशस्वी कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेडी ने परिसर स्थित दृश्य–श्रव्य अंकन केन्द्र (स्टूडियो) का ऑनलाइन माध्यम से लोकार्पण किया । प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी ने इस अवसर पर संस्कृत विद्वानों के व्याख्यानों को वीडियो के रूप में सम्पादित एवं संकलित करने के कार्य को अभूतपूर्व एवं संस्कृत अध्ययन के क्षेत्र में मील का पत्थर बताया। अपने वक्तव्य में उन्होंने डिजिटल रूप में संग्रहीत संस्कृताध्ययन से सम्बन्धित वीडियो को मात्र परिसर की सामग्री न मानकर इसे विद्वानों के ज्ञान का संरक्षित बहुमूल्य कोष बताया। उन्होंने ई–विद्या पोर्टल एवं अन्य डीटीएच शैक्षिक चौनलों की भाँति उन्होंने यूट्यूब पर निर्मित गंगानाथ झा परिसर के इस चैनल https://youtube-com/ /csu prayagraj\si¾p2mNkNqokHeMPfQi पर गंगानाथ झा परिसर द्वारा सम्पादित एवं संग्रहीत वीडियो को संस्कृत भाषा की अमूल थाती बताया। उन्होंने विद्वानों के संस्कृत व्याख्यानों के संग्रह एवं सम्पादन को संस्कृत विद्वतजनों, शिक्षकों, शोधछात्रों आदि सभी के लिए अभूतपूर्व बताया। इसके पूर्व परिसर के निदेशक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी ने परिसर की ओर से ऑनलाइम माध्यम से जुड़े केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेडी एवं कुलसचिव प्रो. आर. जी. मुरलीकृष्ण का स्वागत करते हुए परिसर में स्थापित दृश्य–श्रव्य अंकन केन्द्र के विषय में परिचयात्मक विवरण प्रस्तुत किया। अपने उद्‌बोधन में उन्होंने कुलपति महोदय की प्रेरणा एवं इच्छानुरूप केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा वर्तमान में स्थापित तीन दृश्य–श्रव्य अंकन केन्द्र (स्टूडियो), जो कि प्रयागराज, श्रृंगेरी, केरल एवं जयपुर, राजस्थान में स्थापित है, का विशेष उल्लेख करते हुए प्रयागराज स्थित गंगानाथ झा परिसर द्वारा संस्कृत भाषा के मूर्धन्य विद्वानो, मनीषियों द्वारा दिये गये उनके व्याख्यानों को सम्पादित एवं संग्रहीत करने के कार्य को विशिष्टता वाला बताया। कोरोना काल से शिक्षा के क्षेत्र में डिजिटल वीडियो, ऑनलाइन पाठ्यसामग्री के कारण आया परिवर्तन छात्रों एवं शोधकर्ताओं के लिये वरदान स्वरूप उपलब्ध है, जिसका लाभ सम्पूर्ण संस्कृत जगत को प्राप्त होगा। उन्होंने गंगानाथ झा परिसर के यूट्यूब चौनेल में वर्तमान में संस्कृत के विद्वानों के 500 से अधिक वीडियो उपलब्ध होने की जानकारी देते हुए विद्वानों के व्याख्यानों की रिकार्डिंग परिसर स्थित स्टूडियो में ही करने का विशेषरूप से उल्लेख किया। दृश्य–श्रव्य अंकन केंद्र का मुख्य उद्देश्य उन्होंने भारतीय ज्ञान परम्परा, संस्कृत शास्त्रों, संस्कृत विद्या, विविध संस्कृत–संबद्ध विषयों में निहित ज्ञान के भण्डार को छात्रों तक पहुँचाना बताया। माननीय कुलपति महोदय के द्वारा आज ही इन 500 से अधिक वीडियो का लोकार्पण भी सम्पन्न हुआ। इन वीडियो में प्रो. राम कुमार शर्मा के सौ से अधिक वीडियो, लाल बहादुर शास्त्री संस्कृत विश्वविद्यालय के वेद विभाग के आचार्य प्रो. देवानाथ के ग्रंथ एवं अन्य व्याख्यान, प्रो. पी.एन. शास्त्री, प्रो. राधा वल्लभ त्रिपाठी, प्रो. पीटर श्राफ, प्रो. अम्बा कुलकर्णी, प्रो. विनीत चौतन्य, प्रो. सच्चिदानंद मिश्र जैसे विद्वानों के अनेक व्याख्यान सुलभ हैं। कार्यक्रम में सम्मिलित समस्त विद्वतजनों, शैक्षिक अधिकारियों, कर्मचारियों का धन्यवाद ज्ञापन केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. आर.जी. मुरलीकृष्ण ने किया। कार्यक्रम में एम.ए. संस्कृत के छात्र निलय शुक्ल ने मंगलाचरण प्रस्तुत किया। परिसर के जनसम्पर्क अधिकारी एवं मीडिया प्रभारी राजेश कान्त तिवारी ने इस अवसर पर अधिक जानकारी उपलब्ध कराते हुए बताया कि परिसर में आज ही "संस्कृत वाङ्गमय में पर्यावरण" विषय पर चर्चा सत्र का आयोजन भी किया गया। चर्चा सत्र के मुख्यवक्ता प्रो. सन्तोष शुक्ल, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, प्रो. गोपबन्धु मिश्र, पूर्व कुलपति सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय एवं प्रो. शिवराम शर्मा, निवृत्ताचार्य, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय रहे। पर्यावरण को केन्द्र में रखते हुए अपने व्याख्यानों द्वारा उपस्थित विद्वत जनों ने छात्र–छात्राओं को लाभान्वित किया। "संस्कृत वाङ्गमय में पर्यावरण" पर चर्चा कल दिनांक 01.03.2026 को भी गतिमान रहेगी। इस अवसर पर प्रो. रामकृष्ण पाण्डेय "परमहंस", प्रो. देवदत्त सरोदे, डॉ. मोनाली दास, अंकित मिश्र, राजेशकान्त तिवारी, संजय कुमार मिश्र, रामसुरेश तिवारी समेत परिसरीय समस्त अधिकारी, कर्मचारीगण एवं छात्र–छात्राएँ समुपस्थित रहे।

कवि शेखर डॉ. उमर अली शाह की 141वीं जयंती समारोह आयोजित

काकीनाडा, । श्री विश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठम के नौंवे पीठाधिपति डॉ. उमर अली शाह ने कहा कि दैनंदिन जीवन में आध्यात्मिक दवा लेने से मानव का विकास होता है। जिससे अच्छे नतीजे मिलते हैं और सामाजिक और आर्थिक समस्याओं का समाधान होता है, साथ ही देश का विकास और दुनिया में शांति होती है। शनिवार की सुबह स्थानीय बोट क्लब के निकट अवस्थित श्री विश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठम के षष्टम पीठाधिपति कवि शेखर डॉ. उमर अली शाह की प्रतिमा के समक्ष उनकी 141वीं जयंती समारोह श्री विश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठम के नौंवे पीठाधिपति डॉ. उमर अली शाह की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस अवसर पर डॉ. उमर अली शाह ने कहा कि कवि शेखर डॉ. उमर अली शाह 16 साल की उम्र में ब्रह्म विद्या विलासम नामक पुस्तक लिखी और कम उम्र में ही खुद को ब्रह्म ज्ञानी और दार्शनिक साबित किया। उन्होंने उस समय के लोगों को देश की आज़ादी के लिए प्रेरित किया। उन्होंने महात्मा गांधी के साथ आज़ादी के आंदोलन में हिस्सा लिया। डॉ. उमर अली शाह ने कहा कि कवि शेखर डॉक्टर उमर अली शाह एक सांसद के रूप में सेंट्रल असेंबली में ज्वलंत मुद्दों को उठाया और कई समस्याओं के बारे में सदन का ध्यान आकर्षित किया। इस अवसर पर मशहूर कवि बद्रीनाथ ने बतौर मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेकर अपने उद्‌गार व्यक्त किया। कवि बद्रीनाथ ने कहा कि डॉ. उमर अली शाह ने अपने को एक अंतरराष्ट्रीय कवि और बहु भाषाओं के ज्ञाता के रूप में स्थापित किया है। इस कार्यक्रम में पीठम के कन्वीनर पेरुरी सुरीबाबू, कमेटी मेंबर श्रीमती येल्लमम्बा, लक्ष्मी, प्रभावती, लक्ष्मी कुमारी, मणि, रिटायर्ड आरटीओ रामचंद्र राव, रिटायर्ड एमआरओ गौरी नायडू, रिटायर्ड पेंशनर्स एसोसिएशन के प्रेसिडेंट पद्मनाभम, शेख इब्राहिम, बलराम कृष्ण, वीरभद्रम, तुरागा सूर्य राव, हुसैन शाह और अन्य गणमान्य उपस्थित हुए।

महिला दिवस से पहले क्रियाशील होंगे 42 जनपदों के सरकारी विद्यालयों में शौचालय

लखनऊ, संवाददाता। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस यानि आठ मार्च से ठीक पहले उत्तर प्रदेश सरकार ने बालिकाओं की गरिमा, सुरक्षा और सुविधा के उद्देश्य से बड़ा अभियान शुरू किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर उन्नाव, कानपुर नगर, रायबरेली, अयोध्या, रामपुर समेत प्रदेश के 42 जनपदों के सभी सरकारी विद्यालयों में बने शौचालयों को पूर्ण रूप से क्रियाशील बनाने के आदेश जारी किए गए हैं। मुख्य सचिव एसपी गोयल ने समीक्षा बैठक में कहा कि आठ मार्च तक सभी विद्यालयों में शौचालय उपयोग योग्य स्थिति में होने चाहिए।

होली विशेष रेलगाड़ी का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए निम्न लिखित होली विशेष रेलगाड़ी के संचालन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत है:-

रेलगाड़ी संख्या: 05183/05184 आजमगढ़ - बान्द्रा टर्मि. सुपरफास्ट विशेष रेलगाड़ी

गाड़ी सं. 05183 आजमगढ़-बान्द्रा टर्मि.			गाड़ी सं. 05184 बान्द्रा टर्मि.-आजमगढ़	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
-----	23:15	आजमगढ़	20:10	-----
05:05	05:10	प्रयागराज	13:00	13:05
08:10	08:15	गोविन्दपुरी	09:50	09:55
11:55	12:00	टूण्डला	06:20	06:25
12:45	12:50	ईदगाह आगरा	05:10	05:15
15:30	15:32	बयाना	03:20	03:22
08:10	----	बान्द्रा टर्मि.	-----	10:45

आजमगढ़ से: रेलगाड़ी सं. 05183, (शनिवार), दिनांक- 07.03.2026 एवं 14.03.2026
बान्द्रा टर्मि. से: रेलगाड़ी सं. 05184, (सोमवार), दिनांक- 09.03.2026 एवं 16.03.2026
गाड़ी संरचना: इकोनॉमिक कोच: 08, स्लीपर श्रेणी: 08, सामान्य श्रेणी: 02

नोट:- ट्रेन से सम्बंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन नं0 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे
@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 484/26(DG)

होली विशेष रेलगाड़ियों का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए होली विशेष रेलगाड़ियों के संचालन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् है:-

गाड़ी सं. 07097/07098 चर्लपल्ली-दानापुर होली विशेष रेलगाड़ी

07097 चर्लपल्ली-दानापुर			07098 दानापुर-चर्लपल्ली	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
--	20:30(शनि)	चर्लपल्ली	23:45(मंगल)	--
22:00	22:02	मानिकपुर	20:48	20:50
00:30	00:35(सोम)	प्रयागराज छिवकी	17:50	17:55
09:30(सोम)	--	दानापुर	--	11:30(सोम)

चर्लपल्ली से- गाड़ी सं. 07097 (शनिवार) दिनांक- 28.02.2026 तथा दानापुर से- गाड़ी सं. 07098 (सोमवार) दिनांक- 02.03.2026 संरचना: सामान्य श्रेणी-04, स्लीपर श्रेणी-09, वाता. तृतीय श्रेणी-05, द्वितीय सह तृतीय श्रेणी-03, वाता. द्वितीय श्रेणी-01

गाड़ी सं. 06021/06022 पोत्तनूर-बरौनी एक्सप्रेस विशेष रेलगाड़ी

06021 पोत्तनूर-बरौनी			06022 बरौनी-पोत्तनूर	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
--	04:30(सोम)	पोत्तनूर	23:30(शनि)	--
23:30	23:32	मानिकपुर	04:23	04:25
01:05(बुध)	01:10	प्रयागराज छिवकी	00:40	00:45(शुक्र)
03:00	03:02	चुनार	22:00	22:02
(बुध)14:00	--	बरौनी	--	13:15(गुरु)

पोत्तनूर से- गाड़ी सं. 06021 (सोमवार) दिनांक- 02.03.2026 से 09.03.2026 तथा बरौनी से- गाड़ी सं. 06022 (गुरुवार) दिनांक- 05.03.2026 से 12.03.2026 संरचना: स्लीपर श्रेणी-18, सामान्य श्रेणी-02

गाड़ी सं. 01479/01480 पुणे-दानापुर (साप्ताहिक) विशेष रेलगाड़ी

01479 पुणे-दानापुर			01480 दानापुर-पुणे	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
--	19:55	पुणे	18:15	--
21:30	21:32	मानिकपुर	19:30	19:32
00:30	00:35	प्रयागराज छिवकी	16:25	16:30
08:00	--	दानापुर	--	10:00

पुणे से- गाड़ी सं. 01479 दिनांक- 01.03.2026, 05.03.2026 एवं 09.03.2026 तथा दानापुर से- गाड़ी सं. 01480 दिनांक- 03.03.2026, 07.03.2026 एवं 11.03.2026 संरचना: स्लीपर श्रेणी-11, एसी प्रथम श्रेणी-01, वाता. द्वितीय श्रेणी-01, वाता. तृतीय श्रेणी-01, सामान्य श्रेणी-05

नोट : ट्रेनों की समय-सारणी के सम्बंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे
@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 481/26 FA

फागुन समझाते

रंगों का अध्याय खोल फागुन समझाते।
परंपरा त्योहार रीत उत्सव कहलाते।
मौसम का बदलाव दिलों में खुशबू भरके।
करते हैं श्रृंगार प्रेम की बाती बनके।
मस्ती है यह फाग की जीवन का सौंदर्य है।
पुष्पित विस्तृत जो हुए खुशियों का सौरभ है।।

इंद्रधनुष के रंग अर्थ रखते हैं गहरे।
बता रहा है आज तोड़ फागुन सब पहरे।
हरा जामुनी लाल बैंगनी पीला नीला।
अरु नारंगी रंग सभी की अद्भुत लीला।
ऊर्जा कंपन चेतना हर रंगों के हैं अलग।
मानव जीवन को यही रखते हैं हरदम सजग।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

उत्तर मध्य रेलवे

E-tender Notice Number:-CM-1/Sanitation/Goods Shed/CPC/2025 दिनांक: 27.02.2026

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज, द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए निर्धारित प्रपत्र में पर्याप्त अनुभव एवं वित्तीय क्षमतावान प्रतिष्ठित ठेकेदारों से ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं, जिसका विवरण निम्नलिखित है:-

ई-टेंडर निविदा सूचना संख्या: GEM/2026/B/7302486, Dated 27.02.2026 कार्य का नाम: प्रयागराज मण्डल के सीपीसी गुड्स शेड की व्यापक यंत्रीकृत सफाई, झाड़ू लगाना, पोंछा लगाना, कूड़ा उठाना, कचरा संग्रहण और निपटान आदि के साथ कीटाणुशोधन सेवा हेतु 03 वर्षों के लिए निविदा।

कार्य अनुमानित लागत (जी.एस.टी. सहित): ₹ 85,27,758.68 | ठेके की अवधि: तीन वर्ष
धरोहर राशि: 1,70,600/- | निविदा सिस्टम : डबल पैकेट सिस्टम
निविदा बंद होने की तिथि एवं समय: 23.03.2026, 15:00
निविदा खोलने की तिथि एवं समय: 23.03.2026, 15:30

नोट: (1) उपरोक्त ई-निविदा का पूरा विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) Gem वेबसाइट पर प्रकाशन की तिथि से वेबसाइट www.gem.gov.in पर टेंडर खुलने की तिथि तक उपलब्ध है। (2) उपर्युक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु बेंडरो को चाहिए कि वे अपने आपको Gem की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। (3) संलग्न किये जाने वाले सभी दस्तावेज निविदाकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिए। (4) ई-निविदा फार्म सभी निविदाकारों को निःशुल्क जारी किये जायेंगे। (5) किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए Gem की वेबसाइट की हैल्पलाइन से संपर्क किया जा सकता है। 478/26 (MG)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

No.: CC-6/E-Auction/Commercial Publicity/2025 Dated: 27.02.2026

ई-नीलामी के लिए सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज द्वारा निम्नलिखित ई-नीलामी बोलियां आमंत्रित की गयी है।

प्रयागराज मण्डल द्वारा आमंत्रित ई-नीलामी

क्रम संख्या : 1 | ई-आवंटन कैटलाग संख्या : LocoRest.-PCOI
वाणिज्य विज्ञापन का विवरण : प्रयागराज छिवकी रेलवे स्टेशन (सीओडी रोड से सटे स्टेशन भवन के सामने) पर आरओआरटी आधार पर 10 साल की अवधि के लिए रेल लोको रेस्तरां (24x7) की स्थापना और संचालन।
ई-आवंटन प्रारंभ तिथि एवं समय : 07.03.2026 at 12.00 hrs.

क्रम संख्या : 2 | ई-आवंटन कैटलाग संख्या : NFR-MSS-CNB-Two
वाणिज्य विज्ञापन का विवरण : उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल के कानपुर सेंट्रल रेलवे स्टेशनों के पार्सल ऑफिस में 'ट्रू-व्हीलर और पार्सल/लगेज' पैकिंग और सुविधा काउंटर की स्थापना और संचालन 03 साल की अवधि के लिए लाइसेंसधारी के खर्च पर।
ई-आवंटन प्रारंभ तिथि एवं समय : 09.03.2026 at 11.00 hrs.

क्रम संख्या : 3 | ई-आवंटन कैटलाग संख्या : MSS-Vinyal12033
वाणिज्य विज्ञापन का विवरण : ट्रेन संख्या- 12033/34 (कानपुर नई दिल्ली शताब्दी एक्सप्रेस) की बाहरी दीवार पर खिड़कियों और कांच में जरूरी साइनेज को छोड़कर पूरी सतह पर विनाइल रैपिंग से विज्ञापन।
ई-आवंटन प्रारंभ तिथि एवं समय : 10.03.2026 at 11.00 hrs.

क्रम संख्या : 4 | ई-आवंटन कैटलाग संख्या : MSS-ENCL-PCOI26
वाणिज्य विज्ञापन का विवरण : प्रयागराज मंडल, उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज छिवकी रेलवे स्टेशन (COD रोड से सटे मुख्य प्रवेश द्वार की ओर) पर स्थित यात्री आश्रय में छोटे निजी समारोहों, कम्यूनिटी सेंटर और अन्य वाणिज्यिक गतिविधियों की व्यवस्था व संचालन हेतु 70 महीने की अवधि के लिए अनुबंध हेतु आवंटन।
ई-आवंटन प्रारंभ तिथि एवं समय : 10.03.2026 at 12.00 hrs.

क्रम संख्या : 5 | ई-आवंटन कैटलाग संख्या : MSS-ENCL-NYN26
वाणिज्य विज्ञापन का विवरण : प्रयागराज मंडल, उत्तर मध्य रेलवे के नैनी जंक्शन रेलवे स्टेशन (COD रोड से सटे मुख्य प्रवेश द्वार की ओर) पर स्थित यात्री आश्रय में छोटे निजी समारोहों, कम्यूनिटी सेंटर और अन्य वाणिज्यिक गतिविधियों की व्यवस्था व संचालन हेतु 70 महीने की अवधि के लिए अनुबंध हेतु आवंटन।
ई-आवंटन प्रारंभ तिथि एवं समय : 11.03.2026 at 12.00 hrs.

क्रम संख्या : 6 | ई-आवंटन कैटलाग संख्या : PRYJDIV-RDNOH
वाणिज्य विज्ञापन का विवरण : प्रयागराज छिवकी स्टेशन सर्कुलेटिंग एरिया में आउट ऑफ होम पॉलिसी के तहत वीडियो वॉल (20 फीट X 10 फीट) के माध्यम से वाणिज्यिक प्रचार/विज्ञापन अधिकार हेतु आवंटन।
ई-आवंटन प्रारंभ तिथि एवं समय : 11.03.2026 at 12.00 hrs.

क्रम संख्या : 7 | ई-आवंटन कैटलाग संख्या : PRYJDIV-RDNOH
वाणिज्य विज्ञापन का विवरण : टूंडला रेलवे स्टेशन पर आउट ऑफ होम पॉलिसी के तहत यूनिपोल/होर्डिंग मीडिया के ज़रिए कामर्शियल पब्लिसिटी/विज्ञापन का अधिकार हेतु 03 साल के लिए आवंटन।
ई-आवंटन प्रारंभ तिथि एवं समय : 11.03.2026 at 12.00 hrs.

क्रम संख्या : 8 | ई-आवंटन कैटलाग संख्या : PRYJDIV-RDNOH
वाणिज्य विज्ञापन का विवरण : तीन साल के लिए सभी रेलवे स्टेशन पर RDN नॉन-डिजिटल पॉलिसी के तहत यूनिपोल/होर्डिंग मीडिया के ज़रिए कामर्शियल पब्लिसिटी/विज्ञापन का अधिकार।
ई-आवंटन प्रारंभ तिथि एवं समय : 11.03.2026 at 12.00 hrs.

क्रम संख्या : 9 | ई-आवंटन कैटलाग संख्या : PRYJDIV-RDNOH
वाणिज्य विज्ञापन का विवरण : प्रयागराज छिवकी रेलवे स्टेशन पर 50-50 टाइम शेयरिंग के आधार पर कामर्शियल पब्लिसिटी और रेलवे जानकारी दिखाने के लिए LED स्क्रीन/TV (RDN डिजिटल) के ज़रिए कामर्शियल पब्लिसिटी/विज्ञापन हेतु आवंटन।
ई-आवंटन प्रारंभ तिथि एवं समय : 11.03.2026 at 12.00 hrs.

क्रम संख्या : 10 | ई-आवंटन कैटलाग संख्या : PRYJDIV-RDNOH
वाणिज्य विज्ञापन का विवरण : कानपुर सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर आरडीएन नॉन डिजिटल के तहत (कुल क्षेत्रफल 818 वर्ग फुट) विनाइल स्टीकर और अन्य मीडिया के माध्यम से एक्सक्लूसिव प्लेट पर वाणिज्यिक प्रचार/विज्ञापन अधिकार हेतु आवंटन।
ई-आवंटन प्रारंभ तिथि एवं समय : 11.03.2026 at 12.00 hrs.

क्रम संख्या : 11 | ई-आवंटन कैटलाग संख्या : MSS-ENCL-SFG26
वाणिज्य विज्ञापन का विवरण : प्रयागराज मंडल, उत्तर मध्य रेलवे के सूबेदारगंज रेलवे स्टेशन (राजरूपपुर साइड) पर स्थित यात्री आश्रय में छोटे निजी समारोहों, कम्यूनिटी सेंटर और अन्य वाणिज्यिक गतिविधियों की व्यवस्था व संचालन हेतु 70 महीने की अवधि के लिए अनुबंध हेतु आवंटन।
ई-आवंटन प्रारंभ तिथि एवं समय : 12.03.2026 at 12.00 hrs.

क्रम संख्या : 12 | ई-आवंटन कैटलाग संख्या : MSS-ENCL-PRYJ26
वाणिज्य विज्ञापन का विवरण : प्रयागराज मंडल, उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज जंक्शन रेलवे स्टेशन (सिटी साइड) पर स्थित यात्री आश्रय संख्या-1 और 2 में छोटे निजी समारोहों, कम्यूनिटी सेंटर और अन्य वाणिज्यिक गतिविधियों की व्यवस्था व संचालन हेतु 70 महीने की अवधि के लिए अनुबंध हेतु आवंटन।
ई-आवंटन प्रारंभ तिथि एवं समय : 13.03.2026 at 12.00 hrs.

क्रम संख्या : 13 | ई-आवंटन कैटलाग संख्या : MSS-CNB-Food Van
वाणिज्य विज्ञापन का विवरण : प्रयागराज डिवीजन के तहत कानपुर रेलवे स्टेशन कैंट साइड (स्टेशन बिल्डिंग के सामने) पर पांच साल के लिए एक फूड वैन (कमर्शियल को 24x7 सर्विस देने वाले) बनाना, चलाना और मैनेज करने हेतु आवंटन।
ई-आवंटन प्रारंभ तिथि एवं समय : 14.03.2026 at 11.00 hrs.

क्रम संख्या : 14 | ई-आवंटन कैटलाग संख्या : MSS-CPA-FoodVan
वाणिज्य विज्ञापन का विवरण : प्रयागराज मंडल के अंतर्गत कानपुर अनवरगंज स्टेशन (राष्ट्रीय राजमार्ग के समीप एवं स्टेशन प्रवेश मार्ग के प्रारंभ बिंदु पर) पर ग्राहकों को 24x7 सेवाएं प्रदान करने हेतु फूड वैन की स्थापना, संचालन एवं अनुरक्षण का कार्य, पांच वर्ष की अवधि के लिए आवंटन।
ई-आवंटन प्रारंभ तिथि एवं समय : 16.03.2026 At 11:00 Hrs.

क्रम संख्या : 15 | ई-आवंटन कैटलाग संख्या : NFR-RCRFood Van
वाणिज्य विज्ञापन का विवरण : प्रयागराज मंडल के अंतर्गत सूबेदारगंज (सुलेमसराय साइड), फतेहपुर (दोनों साइड) तथा मानिकपुर रेलवे स्टेशन पर ग्राहकों को 24x7 सेवा प्रदान करने हेतु फूड वैन की स्थापना, संचालन एवं अनुरक्षण का कार्य, पांच वर्ष की अवधि के लिए आवंटन।
ई-आवंटन प्रारंभ तिथि एवं समय : 17.03.2026 At 11:00 Hrs.

नोट: इच्छुक बोलीदाता अधिक जानकारी के लिए, ई-नीलामी में भाग लेने के लिए आधिकारिक वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जा सकते हैं। 469/26(A)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

सम्पादकीय.....

विदेश नीति को बदलते प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इतिहास में अपना नाम किन अक्षरों में दर्ज कराना चाहते हैं, ये तो पता नहीं, लेकिन भारत की विदेश नीति का जो गौरवशाली स्वर्णिम इतिहास रहा है, उसे वो पूरी तरह मटियामेट करना चाहते हैं यह साफ नजर आ रहा है। वैसे भी जब इतिहास की पूरी समझ न हो, या जानबूझकर इतिहास को नजरंदाज किया जाता है तो वर्तमान और भविष्य दोनों किस तरह खतरे में पड़ जाते हैं, इसका बड़ा उदाहरण नरेन्द्र मोदी की इजरायल यात्रा से मिल ही रहा है। महज दो दिनों के लिए मोदी इजरायल गए, लेकिन वहां जो कुछ उन्होंने कहा, उससे भारत की बरसों की मेहनत पर पानी फिर गया है। बुधवार को इजरायली संसद नेसेट में जिस तरह का भाषण प्रधानमंत्री मोदी ने दिया है, उसमें वैश्विक स्तर पर भारत की भूमिका पर सवाल उठने लगे हैं। क्योंकि इजरायल ने फिलीस्तीन में हमास को खत्म करने के नाम पर जो नरसंहार किया, उस पर दुनिया भर में चिंता जाहिर की जा रही है, लेकिन भारत के प्रधानमंत्री ने इजरायली संसद में जाकर हमास की न केवल आलोचना की, बल्कि तीन साल पहले 7 अक्टूबर को इजरायल पर हुए हमले की तुलना भारत में मुंबई के आतंकी हमले से कर दी। माना कि दोनों में निर्दोष लोगों की ही जान गई, लेकिन सोचने वाली बात ये है कि नरेन्द्र मोदी को यूपीए सरकार में हुआ मुंबई हमला अगर याद आया तो खुद की सरकार में हुए पुलवामा और पहलगाम जैसे बड़े आतंकी हमलों को वो कैसे भूल गए। होता तो यही है कि इंसान को हाल की बात पहले याद आती है और पुरानी बात बाद में। लेकिन मोदीजी के साथ उल्टा ही हो रहा है। उन्हें अपने कार्यकाल का कुछ याद नहीं रहता, केवल कांग्रेस की सरकारों की बातें याद पड़ती हैं। अपने संबोधन में मोदी ने गजा शांति पहल को क्षेत्र में न्यायपूर्ण और स्थायी शांति की दिशा में एक रास्ता बताया। यानी सीधे–सीधे अमेरिका की तारीफ उन्होंने की। इसके साथ ही इजरायल के साथ एकजुटता का संदेश देते हुए कहा कि कहीं भी आतंकवाद शांति को हर जगह खतरे में डालता है। गौर कीजिए कि मोदी ने इजरायल की कुर्बानियों का जिक्र किया लेकिन गजा में मारे गए 70 हजार लोगों की हत्या और हमदर्दी के लिए एक शब्द नहीं कहा, वो कह भी नहीं सकते थे, क्योंकि उन्हें तो ट्रंप और नेतन्याहू से दोस्ती निभानी है। मोदी ने गजा नरसंहार को पूरी तरह नजरन्दाज किया, यहां तक तो ठीक है, लेकिन दुख इस बात का है कि अपने साथ–साथ उन्होंने पूरे देश की जनता को इजरायल के साथ खड़ा दिखाया। मोदी ने कहा, श्मैं भारत की जनता की ओर से हर खोई हुई जान के लिए गहरी संवेदना लेकर आया हूं और हर उस परिवार के लिए जिनका संसार 7 अक्टूबर 2023 को हमास के बर्बर आतंकवादी हमले में टूट गया। हम आपका दर्द महसूस करते हैं। हम आपका दुख साझा करते हैं। भारत इजरायल के साथ मजबूती से, पूरे विश्वास के साथ, इस पल में और उसके आगे भी खड़ा है। कोई भी कारण नागरिकों की हत्या को जायज नहीं ठहरा सकता। कुछ भी आतंकवाद को जायज नहीं ठहरा सकता।श कितने सुविधाजनक तरीके से मोदी ने गजा में नेतन्याहू के इजरायली आतंकवाद का जिक्र तक नहीं किया। जबकि खुद इजरायल की जनता अपनी सरकार के ऐसे बर्बर रवैये के खिलाफ है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने मोदी के भाषण पर उन्हें इतिहास की याद दिलाते हुए नेहरू के इजरायल के निर्माण पर आइंस्टीन को लिखे पत्र में व्यक्त विचारों का हवाला दिया। रमेश ने एक्स पर पोस्ट किया– अप्रैल 1955 में आइंस्टीन के निधन से कुछ समय पहले, आइंस्टीन और नेहरू ने परमाणु विस्फोटों और हथियारों के मुद्दे पर पत्रों का आदान–प्रदान किया था।श नेहरू ने 11 जुलाई 1947 को आइंस्टीन को जवाब में लिखारू श्मैं मानता हूं कि जबकि मेरी यहूदियों के लिए बहुत अधिक हमदर्दी है, मुझे अरबों की दुर्दशा के लिए भी उतनी ही हमदर्दी है। किसी भी घटना में, पूरा मुद्दा दोनों पक्षों की ओर से उच्च भावना और गहरे जुनून का हो गया है।श नेहरू ने यहूदियों के नजरिए पर सवाल उठाते हुए कहारू श्मैंने फिलिस्तीन की इस समस्या पर अच्छा ध्यान दिया है और दोनों पक्षों द्वारा जारी की गई किताबों और पैम्फलेट्स को पढ़ा हैय फिर भी मैं यह नहीं कह सकता कि मैं इसके बारे में सब जानता हूं या मैं क्या किया जाना चाहिए पर अंतिम राय देने के लिए सक्षम हूं। मुझे पता है कि यहूदियों ने फिलिस्तीन में एक अद्भुत काम किया है और वहां के लोगों के स्तर को ऊं चा उठाया है, लेकिन एक सवाल मुझे परेशान करता है। इन सभी उल्लेखनीय उपलब्धियों के बाद, वे अरबों की सद्भावना हासिल करने में क्यों विफल रहे? नेहरू ने लिखा–वे अरबों को अपनी इच्छा के विरुद्ध कुछ मांगों को मानने के लिए क्यों मजबूर करना चाहते हैं? नजरिए का तरीका ऐसा रहा है जो समझौते की ओर नहीं ले जाता, बल्कि संघर्ष की निरंतरता की ओर ले जाता है। मुझे कोई संदेह नहीं कि गलती एक पक्ष तक सीमित नहीं है बल्कि सभी ने गलती की है। मुख्य समस्या फिलिस्तीन में ब्रिटिश शासन की निरंतरता रही है। तो यहां जयराम रमेश ने इजरायल और फिलीस्तीन दोनों पर नेहरू जी के विचार बता दिए। गौरतलब है कि जर्मनी में हिटलर ने यहूदियों पर भीषण अत्याचार किया था, जिस पर सभी की सहानुभूति यहूदियों के साथ थी। लेकिन इजरायल में बस कर यहूदियों ने जिस तरह फिलीस्तीन के लोगों को उनके ही घर से बेदखल करने की लगातार कोशिश की और इसमें अमेरिका ने जैसे इजरायल को बढ़ावा दिया, भारत कभी भी उसके पक्ष में नहीं रहा। इसलिए इजरायल और फिलीस्तीन दोनों राष्ट्रों को भारत ने मान्यता दी, मगर इजरायल से एक दूरी बनाकर रखी, वहीं फिलीस्तीन के साथ नैतिकता के नाते भारत हमेशा खड़ा रहा। आज नरेन्द्र मोदी इस समीकरण को पूरी तरह बदल चुके हैं। राहुल गांधी ने इसका कारण बताया है।

विषय : आधुनिक कविता और मुक्तिबोध

सागर विश्वविद्यालय से पधारे डॉ. मिथिलेश शरण चौबे ने 'अंधेरे में' का नामवर – विवेचन विषय पर अपनी बात रखी। इन्होंने नामवर जी ने 'अंधेरे में' कविता पर लिखा है, और अन्य आलोचकों ने 'अंधेरे में' कविता पर जो आलोचना लिखा है दोनों ही संदर्भों में अपनी बातें रखते हुए कहते हैं कि 'अंधेरे में' कविता का मूल ध्येय अस्मिता की खोज है। इस कविता का कथ्य गहरी अर्थवत्ता का सूचक है। अंधेरे में कविता में अस्तित्व की सुगन्ध मानवीयता के रूप में आती है। मुक्तिबोध की दृष्टि भविष्य तक विस्तृत है। कवि मुक्तिबोध के लिए अस्मिता की खोज व्यक्ति की खोज नहीं, बल्कि अभिव्यक्ति की खोज है। मुक्तिबोध की कविता में विराट लोक बिंब उपस्थित है। नेमिचन्द्र जैन, रामविलास शर्मा इत्यादि आलोचकों ने भी इस कविता की विस्तृत समीक्षा की है। नामवर जी इस कविता में रहस्यवाद और अस्तित्ववाद के भावबोध को भी महसूस करते हैं। उनके काव्य का मुख्य उद्देश्य है अस्मिता की खोज नहीं, अस्मिता का विलय। हम कविता को केवल किसी एक घटना से हमेशा निबद्ध करके नहीं लिख सकते। अंधेरे में कविता आधुनिक कविताओं में सबसे गुरुतर ठहरते हैं। नामवर जी को दूसरा लेख क्यों लिखना पड़ा क्योंकि इस कविता को कई आलोचक प्रश्नांकित कर चुके थे। नामवर जी का मानना था कि अंधेरे में का 'मैं' और 'रक्तस्नात पुरुष' स्वयं मुक्तिबोध नहीं है। नामवर जी ने कहा था कि मुक्तिबोध शब्द और कर्म दोनों ही स्तरों पर अभिव्यक्ति की खतरे को उठाने की बात की थी। नामवर जी के विश्लेषण में जो दो मूल स्थापनाएं हैं। परम अभिव्यक्ति प्राप्त करना नहीं बल्कि उसे प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रयत्न करते रहना है। अंधेरे में कवि देखने की स्थिरता के पार जाता है जिसे आसानी से देखा नहीं जा सकता है। मुक्तिबोध अपने समय में अपने समय का औचित्य विचार करने की कोशिश कर रहे थे। पुरुषोत्तम अग्रवाल जी ने कहा है कि नामवर की केन्द्रीय चिंता साहित्य ही रही है, इसी को ध्यान में रखकर उन्होंने अपनी आलोचना का उपक्रम किया है।

प्रो. बसन्त त्रिपाठी ने प्रगतिशील कविता का मूल्यांकन और नामवर सिंह विषय पर अपनी बात रखी। शुक्ल के समान ही नामवर जी भी साहित्य की सृजनात्मकता से आलोचना की दुनिया प्रस्थान करते हैं। 'पूजा की थाली' का रूपक नामवर जी कविताओं में आता है। नामवर जी की कविता की भाषा और उसके कथ्य पर हमें गौर करना चाहिए। उनकी कविताएं प्रकृति और आम जनमानस को केंद्र में रखकर लिखी गई है। प्रगतिशील कविता से नामवर जी की आलोचनात्मक मानस का विकास होता है। निराला और तुलसीदास से उनके मानस का विस्तार होता है। प्रगतिशील कविता की स्थापना को यदि देखना हो तो नामवर जी की पुस्तक आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ की तरफ जाना चाहिए। प्रकृति, लोक, भाषा और प्रेम को प्रगतिशील कविता की आलोचना में वे मुख्य रूप से रखते हैं। प्रकृति का सहारा प्रगतिशील कवि अक्सर मन के दबे कुचले भाव को प्रकट करने के लिए लेता है। लोक के साथ शिष्ट समाज का सम्बन्ध कट सा गया है इसीलिए कविता महत्वपूर्ण ही बन पाती हैं। नागार्जुन को आधुनिक हिन्दी कविता का सबसे बड़ा जनकवि कहते हैं। वे लिखते हैं जिस तरह छायावाद और छायावादी कविता भिन्न नहीं है उसी तरह प्रगतिशील कविता प्रगतिवाद से भिन्न नहीं है। नामवर जी का आलोचनात्मक मानस के निर्माण में प्रगतिशील कविता की मुख्य भूमिका है क्योंकि उनकी अभिरुचि प्रगतिशील कविता के प्रति थी। केदारनाथ अग्रवाल की उपेक्षा नामवर जी ने भी किया था। कविता में पहली बार व्यापक सहानुभूति का प्रवेश प्रगतिवादी कविता से होता है। उसमें उच्च कोटि की नैतिकता को प्रतिष्ठित की गई। और इसमें उच्च कोटि की बौद्धिकता भी है। मुक्तिबोध ने कविता के संदर्भ में त्रिकोणीय विचार प्रस्तुत किए थे, जिसमें बाह्य जगत, अन्तर्जगत के साथ ही उसके केन्द्र में विचारधारा मुख्य है। भक्तिकाव्य, परम्परा और कबीर निबन्ध में लिखते हैं, तुलसी और कबीर की वेदना केवल दरिद्र और जुलाहा होने तक ही नहीं थी बल्कि यह वेदना आध्यात्मिक वेदना अधिक थी। प्रगतिशील कविता की आलोचना के सन्दर्भ में नामवर जी में सबसे कम अंतर्विरोध से ग्रसित होते हैं। नागार्जुन के सन्दर्भ में लिखते हैं राजनीतिक कविता लिखना सबसे कठिन कला है। राजनीतिक कविताओं में घटनाओं का उल्लेख ओवरलेप हो सकता है जैसी नामवर ने अच्छे से साधा है। त्रिलोचन इसलिए अपेक्षाकृत कम लोकप्रिय रह गए क्योंकि उन्होंने राजनीतिक कविता उतनी सघनता से नहीं लिखी है। नागार्जुन कहते हैं कवि या कलाकार होना पर्याप्त नहीं है बल्कि पक्षधर की भूमिका धारण करो। प्रगतिवाद में ग्राम प्रकृति का वास्तविक रूप उभर कर आया है। गांव के वास्तविक चित्रण प्रगतिवादी कविताओं में है। इससे पूर्व इस तरह का चित्रण कहानी और उपन्यासों में ही देखने को मिलता था। इन कवियों ने लोक और गांव की उसी भाषा में सामने रखा जिस भाषा में वह व्यक्त हो सकता है। प्रगतिवादी कविता की अनगढ़ता में भी सौंदर्य है। प्रगतिवादी कविता ने अनगढ़पन को साधा है।

लखनऊ विश्वविद्यालय से आएं प्रो. अनिल त्रिपाठी ने नयी कविता का मूल्यांकन और नामवर सिंह विषय पर अपनी बात रखते हुए कहा कि नामवर जी का अटूट विश्वास था कि किसी कृति की अटूट आलोचना से गुजरना है तो वह अंतर से ही जाएगी। अर्थात् पाठ केन्द्रित आलोचना नामवर जी की आलोचना का बुनियादी पक्ष है। प्रगतिशील आलोचना का स्वरूप शुरू में यांत्रिक किस्म का था उन्होंने अपनी आलोचना के माध्यम से इस यांत्रिकता को ध्वस्त करने की कोशिश की। ग्रीक माइथोलॉजी को लेनिन छोड़ देते हैं और इसका शिरा मार्क्स पकड़ते हैं। नामवर जी के लिए साहित्य बुनियादी चीज है। साहित्य के आलोक में विचार को लाइए न कि विचार के आलोक में साहित्य को। आप को साहित्य को केवल विचारधारा में समेट दें, आप साहित्य को केवल राजनीतिक चेतना में समेट थे ये उचित नहीं। साहित्यिकता और सामाजिकता के संतुलित रूप को नामवर जी एक साथ देखते हैं। कविता के नए प्रतिमान नामवर जी का सबसे शास्त्रीय ग्रंथ है। नेमिचन्द्र जैन ने कहा था कि कविता के प्रतिमान में नामवर जी झुकाव रूपवाद की ओर अधिक हो गई है। प्रयोगवाद, अस्तित्ववाद को प्रगतिवाद के प्रतिक्रिया स्वरूप हमारे यहां देखा गया है, जबकि अस्तित्ववाद के प्रवर्तक सार्त्र पहले मार्क्सवादी थे। नई कविता में प्रतिमान की तुलना में मूल्यों पर अधिक जोर है। संस्कार शब्द से नामवर जी को चिढ़ नहीं है, क्योंकि कविता पाठ करना भी अपने आपमें एक संस्कार है। रचना के धरातल पर व्यापकता और गहराई की बात नामवर जी ने की है। उस दौर में आने वाली तमाम शब्दावलियों के भीतर नामवर जी उतरते हैं। मूल्यवान है एक भी ऐसे आलोचक का होना जो अच्छी चीज को वास्तव में अच्छी कहे। नामवर जी ने कहा कि छायावाद कवियों में सबसे पहले पंत की प्रतिष्ठा हुई, उसके बाद प्रसाद, महादेवी की प्रतिष्ठा हुआ और सबसे अन्त में निराला की प्रतिष्ठा होती है। स्वायत्तता में अस्मिता और सापेक्षिक स्वतंत्रता होनी चाहिए। जड़ीभूत सौंदर्यानुभूति से लड़ने के लिए लगातार जद्दोजहद करनी पड़ेगी। वे साहित्य में हमेशा इस बात पर बल देते रहे कि विचार से ज्यादा जीवन महत्त्वपूर्ण है।

प्रतिष्ठित आलोचक प्रो. कृष्णमोहन सिंह ने मुक्तिबोध का मूल्यांकन और नामवर सिंह विषय पर व्याख्यान दिया। नामवर जी की आलोचना का विकास एक प्रक्रिया में जाकर गुणात्मक विकास में बदल जाता है। मार्क्स को भी आरंभिक मार्क्स और परवर्ती मार्क्स में भी देखने की प्रवृत्ति है। नामवर जी के प्रारंभिक लेखन से बाद वाले लेखन की तुलना करनी चाहिए। नामवर जी के प्रारंभिक लेखन पर भी ध्यान केन्द्रित करना चाहिए। मार्क्सवाद की यदि इतनी चिंता है तो उसके भटकाव और उदारता पर बात करनी चाहिए। घिसी पीटी बातों को कहने से बचना चाहिए। हमारे समाज के सामने जो बड़े वैचारिक मुद्दे हैं, उनकी बहुत कुछ पहचान आज से सत्तर पचहत्तर साल पहले इन विचारकों ने अपने ढंग से की थी। मुक्तिबोध आधुनिकता कविता का अंत के पूछते हैं क्या हम नए भावबोध को नए मूल्यबोध में परिणत नहीं कर सकते हैं। उनका कहना है कि हमारी भावनात्मक प्रतिक्रिया कवि बार आधुनिक भावबोध में हो जाता है तो उसे आधुनिकता कह देते हैं जबकि उसे दर्शन और मूल्यबोध के रूप में प्रतिष्ठित करना चाहिए तभी आधुनिकता को समाज में प्रतिष्ठित कर सकते हैं। नए सामाजिक मूल्यों के लिए कोई संघर्ष है कि नहीं इसे परिवार नामक संस्था में देखना चाहिए। हमारे विचार, हमारी रचनाएँ यदि जीवन मूल्यों से प्रेरित नहीं तो वह व्यर्थ है।। हमारा जीवन न तो पूरे तौर पर सामंती ढंग से चलता है और न हीं आधुनिक ढंग से चलना है। मुक्तिबोध का मानना है कि आधुनिक और परम्परागत दोनों मूल्यों के प्रति ईमानदार होना चाहिए। प्रेम के प्रति ईमानदार होना मुश्किल तो है ही लेकिन घृणा के प्रति ईमानदार होना ज्यादा मुश्किल है। एक समझौतहीन ढंग से हमें इसमें आगे आना चाहिए। नामवर जी ने इस पर कहा था मुक्तिबोध ने बहुत सही समय पर बहुत सही बात कही है। मन , वचन और कर्म के आधार पर विचारधारा का निर्माण होना चाहिए।

इस सत्र का संचालन डॉ. विवेक सिंह कर रहे थे। वे बताते हैं कि नामवर जी कवि पहले हैं, आलोचक बाद में और उसके बाद में वे मार्क्सवादी हैं। नामवर जी के साथ मुक्तिबोध थे, शमशेर थे, त्रिलोचन थे इनके सान्निध्य में नामवर जी ने सृजनात्मकता को सबसे अधिक महसूस किया है।

कु. रोशनी शोध छात्रा, बीएचयू।

नामवर जी काशी के विभूति थे ं प्रसिद्ध संस्कृतकर्मी प्रो. अवधेश प्रधान

छठवां सत्र : हिन्दी आलोचना का मूल्यांकन

प्रसिद्ध सांस्कृतिकर्मी प्रो. अवधेश प्रधान ने नामवर सिंह के रामचन्द्र शुक्ल विषय पर बोलते हुए कहा कि। उन्होंने कहा कि इसमें संदेह नहीं कि वे काशी के विभूति थे। नामवर जी ने काशी के मधुचक्रों को छककर निचोड़ा। नामवर जी की उमड़ती हुई यादें एक तरफ़ है और उनके प्रति हमारा कर्त्तव्य एक तरफ है। जो आसानी से लांघ जाते हैं उन्हें गहराई की थाह क्या जान पाएंगे, उस गहराई की थाह तो मंदराचल ही गहराई तक जाकर बता सकता है। हिन्दी ने हमें चार चार मंदराचल दिए हैं। आचार्य रामचंद्र शुक्ल, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, नामवर सिंह, रामविलास शर्मा और पांचवें हैं नन्ददुलारे वाजपेई। वाजपेई जी की भाषा पर एकत्र अधिकार था। नंददुलारे वाजपेई ने पहली बार नामवर जी के अंतर्विरोध को उजागर किया, उनके जीवनकाल में ही। हिन्दी साहित्य के इतिहास में अपने शिष्यों का नाम लेकर रामचंद्र शुक्ल जी ने धन्य धन्य कर दिया, केवल एक शिष्य का नाम नहीं लिया वो थे नन्ददुलारे वाजपेई। वे भी एक मंदराचल थे। 1950 के बाद उन्होंने आचार्य रामचन्द्र शुक्ल पर सबसे अधिक सोचा, विचारा। 1950 से शुक्ल जी की भाषा की गुरुता नामवर जी की भाषा में आने लगी। नामवर जी को सत्तर साल तक काम करने का मौका मिला। ये वे मंदराचल है जिन्होंने पाताल की थाह ली। 1950 का पहला लेख है रामचंद्र शुक्ल पर। दूसरी परम्परा को लिखने के बाद उनका बड़ा मन था कि आचार्य शुक्ल पर लिखें। शुक्ल जी ने उन्होंने लिखने का गंभीर प्रयास किया लेकिन वे लिख नहीं पाए। जिस आलोचक पर वे गंभीर रूप से लिख नहीं पाए वे आचार्य शुक्ल थे। नामवर जी ने स्वयं के निर्माण में खूब तपस्या की है। जैसे रवींद्रनाथ के बाद बंगला में चमकता हुआ सितारा नहीं दिखाई देता है वैसे ही चमकते हुए सितारा आचार्य शुक्ल हैं। नामवर जी ने कहा है कि हिंदी की नई समीक्षा पद्धति का निर्माण करने के लिए आचार्य शुक्ल को पढ़ना जरूरी है। शुक्ल जी का अभिव्यक्तिवाद ही उनकी सीमा बन गई। दूसरी सीमा थी प्रबंध और मुक्तक का। मुक्तक को मध्यम काव्य के दर्जा किया। इसका आलंबन मानव को, प्रकृति को माना। नंद दुलारे वाजपेई ने कहा था, कविता में मैथिली शरण गुप्त , आलोचना में आचार्य शुक्ल और कथा सहित में प्रेमचंद द्विवेदी युगीन नैतिकता से ग्रसित थे। नामवर जी कहना था कि युग प्रगीत मांग रहा था और शुक्ल जी उन्हें महाकाव्य देने पर तुले हुए थे। चिंतामणि भाग तीन का अद्भुत संपादन नामवर जी ने किया है।। बकलम खुद में नामवर जी लिखते हैं कि भूमिका लिखनी हो तो शुक्ल जी जैसी लिखनी चाहिए। चिंतामणि भाग तीन का संपादन करते हुए नामवर जी ने ऐसी ही भूमिका लिखी है। शुक्ल जी ने जितने अनुराग से भारतेंदु युग पर लिखा है उसके विपरीत द्विवेदी युग पर लिखा है। काव्य में रस सिद्धांत नामवर जी की सौंदर्यदृष्टि और शुक्ल जी के प्रति कुछ लिखने की अधीरता को रेखांकित करता है। हमारे देश के स्वाधीनता के इतिहास में हिन्दी का भी योगदान है इस पर गर्व होना चाहिए। आज चन्द्रशेखर आजाद का जन्म दिवस है। गोकुलनाथ ने लिखा है यहीं रवींद्रपुरी कालोनी के घर में शेखर मिलने आते थे, एक साक्षात्कार रूप में गोकुलनाथ जी द्वारा लिखा गया संस्मरण है।

डॉ. योगेश प्रताप शेखर ने दूसरी परम्परा और हजारी प्रसाद द्विवेदी विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया कि द्विवेदी और नामवर सिंह दोनों ही जनों में अस्वीकार्य का साहस है। हमारी साहित्यिक परम्परा और भारतीयता शीर्षक पर व्याख्यान देते हुए कहते हैं कि परंपरावाद इस बात पर बल देता है कि देश में बस एक परंपरा है। जबकि भारत में कई परंपराएं हैं। और भारत के हर नागरिक को अपनी परंपरा चुनने का अधिकार है। द्विवेदी जी और नामवर जी के यहां परम्परा बहुलता में है। द्विवेदी जी जब शांतिनिकेतन में थे तब अशोक का फूल लिखते हैं और जब उन्हें चंडीगढ़ जाना पड़ा तो कुटज लिखते हैं। ये दोनों ही लेखक अपने व्यक्तिगत समस्या को भी बड़े स्तर पर देखते हैं। वे अपने व्यक्तिगत समस्या को व्यापक सामाजिक समस्या से जोड़ देते हैं। अशोक का फूल कितना भी सुंदर हो लेकिन वह सामंती प्रवृत्ति का ही है। संस्कृति, परम्परा की निर्मिति की बनावट को लेकर दोनों ही जन सचेत है। आलोचना का काम है परम्परा की रक्षा करना। आखिरकार हम परम्परा का मूल्यांकन करेंगे कैसे ? मूल्यांकन करते हुए हम एक विशेष दृष्टि को तवज्जो देने लगते है। परम्परा के बारे में एक दृष्टि है उसे लगातार समकालीन बनाते जाना, प्रासंगिकता से जोड़ना। दूसरी दृष्टि है, अतीत की अतीतता को बनाए रखते हुए, वर्तमान को अतीत से पार्थक्य प्रदान करना। द्विवेदी जी परम्परा को एक सतत विकास के रूप में देखते हैं जबकि नामवर जी कहते हैं, समूचे हिंदी साहित्य ने अपनी जो पहचान बनाई है वह नए और पुराने के द्वंद्व से बनाई है, समन्वय या संयोग से नहीं। परम्परा का विकास नए और पुराने के द्वंद्व से विकसित है। द्विवेदी जी के बारे में नामवर जी एक और बात कहते हैं कि द्विवेदी जी ने अपने संग्रह का नाम रखा कल्पलता, जबकि इस नाम से संग्रह में कोई निबन्ध नहीं है। सारा साहित्य उनके लिए गल्प ही है। द्विवेदी जी की शैली व्यास शैली है।

प्रो. सियाराम शर्मा ने रामविलास शर्मा का नामवर – विवेचन पर अपनी बातें रखीं। रामविलास शर्मा ने समस्त हिन्दी साहित्य की मुकम्मल आलोचना प्रस्तुत की। हिन्दी आलोचना नामवर जी ऐसे रामविलास शर्मा के वाद विवाद और संवाद से भी विकसित हुई है। मार्क्सवाद की थियरी थीसिस, एंटीथिसिस और सिंथेसिस को विवेचित करने का हिंदी में वाद विवाद और संवाद शब्द उचित ही है। 1982 में केवल जलती मशाल लेख में नामवर जी ने रामविलास शर्मा के महत्व को समझने की कोशिश की गई।

क्यों अहंकार, करता गंवार, दिन चारि के जग महिमाना, अंत तोहि जानारू

चौपालों से दूर हो रहा फगुआ, चौताल, बेलवरिया जैसे फागुनी गीतों का राग रंगः अशोक

फागुन के गहबर होते परिवेश में रंगपर्व होली का भी आगाज हो चुका है। देशज मान्यताओं के अनुसार वर्ष के अंतिम माह फागुन का लोक रंग हमें रंगों की विविधता के साथ लोक जीवन में उत्साह, मानवीय मूल्यों को जीने और हर्ष उल्लास की परंपरा को जीवंत रखने का संदेश देता है। जहां एक ओर सिवानों में गदराई फसलें देखकर किसानों का मान चहक उठता है वहीं वर्ष भर की तन्हाई के बाद आम्र मंजरी में आशियाना बनाने को बेताब कोयल की कूक और पुषू पराग पान करते हुए तितली भंवरों की टोली खेतों,सिवानों,वन–बागों में विचरण करने लगी है। शीतऋतु के अवसान के बाद पेड़ों से विदा हुए पीत पात,नई कोपलों से सजी टहनियां,फूलों की मादक गंध,वन प्रान्त से होती हुई घर आंगन तक दस्तक देने लगी है। ऐसे माहौल में तीन दशक पहले गांव–गांव होली लगाने की परंपरा और गांव चौपालों में शाम होते ही ढोलक मजीरे के साथ जमने वाली फगुआरों की टोली का वह राग–रंग धीरे–धीरे सिमटता जा रहा है।

कभी वसंत पंचमी के दिन गांव की रेड़ की सम्मत गाड़ने की परंपरा रही।जहां अनवरत महीने भर गांव के बच्चे जंगलों से झाड़िया काट कर अपने–अपने गांव की होलिका लगाते। एक दूसरे से ऊंची होलिका लगाने की होड़ रहती थी। जैसे–जैसे होली का त्यौहार नजदीक आता फगुआ गीतों की गूंज सुनाई देने लगती थी।बड़े बुजुर्गों के साथ युवा और बच्चे भी शरीक होकर एक साथ अपने मौसमी गीतों का आनंद उठाते थे। होलिका दहन के दिन सुबह होली कोअंजन देने की परंपरा थी और शाम होते ही बहनें भाइयों को उबटन लगाकर उसकी झीरी होलिका में जलाने के लिए देती थीं। होलिका मैया दिहिउ अशीष,भैया जिअंइ लाख बरीस,जैसी परंपरा थी।शाम होते ही घर–घर गोझा,गुझिया,पापड़,दमालू,दुधभंगा और विविध प्रकार के खाने पीने की चीजों की तैयारी शुरू हो जाती थी। होलिका दहन के बाद सर कबीर बोलने की भी परंपरा थी जहां गांव के सभी बच्चे बूढ़े जवान एक साथ मिलकर होलिका दहन के समय मौजूद रहते वहीं अनाज की कच्ची बालियों को होलिका मैया की अग्नि में भुज कर घर में लाने की परंपरा थी।ऐसी मान्यता थी कि इससे वर्ष भर घर धन–धान्य से पूर्ण रहेगा। इसके उपरांत देवी सुमिरन के बाद ढोल मंजीरों के साथ फगुहारों की टोली गांव की गलियों में गलियारा गीत गाकर घूमती .... बेंदी गिरी हो करवटिया रतिया,सैया लगे लिए छतिया, जैसे गीत ऑन के बाद किसी के घर बैठकी होती और फिर गाने बजाने का सिलसिला शुरू होता।

फागुनी गीतों में, बारहमासा, उलार,धमार, बेलवार,बैसवारा, नारदी, चहका, झूमर,बेलवरिया, दुगुन, चौताल, डेढ़लाल,ढाई ताल जैसे गीत बहुत ही लोकप्रिय रहे। जग धरम धुजा फहराई, हरि भगत अनूप देखाई,मोरध्वज राई और क्यों अहंकार करता गंवार,दिन चार के जग महिमाना,अंत तोहि जाना, जैसे डेढ़ ताल और चौंताल गीत बहुत ही लोकप्रिय रहे। अमवा मां बउरा आए सखी,परदेसी बलमुआ ना आए और का करिहौ आय सांवरिया हो,चीरहरन जब हुइ जाए. ... जैसे धमार और उलारा गीत गांव–गांव गूंज उठते थे। नारदी और बैसवारा गीतों की धुन में सभी सराबोर हो उठते।

दूसरे दिन दोपहर में रंग भरी पिचकारी के साथ बच्चे एक दूसरे पर कुलेल करते रंग डालते तो वहीं बड़े लोग माथे और गाल पर अबीर –गुलाल लगाकर एक दूसरों को भेंट कर होली की शुभकामनाएं और बधाई देते। गांव में कई जगह भांग का रस पीने और फगुआ गाने का न्योता भी दिया जाता। महिलाएं भी अनुहार मनुहार के साथ अपने रिश्ते के सखी सहेलियों को गहबर रंगों से सराबोर कर आंगन में होली की धूम मचातीं। त्योहार के दो–तीन दिन बाद तक होली के रंगों की खुमारी और एक दूसरे के से मिलने मिलाने और घर आने जाने की परंपरा थी। इससे आगे भी चौत्र मास के गणगौर तक फगुआ गाने और उसके बाद चौता–चौती जैसे गीतों के गाने का चलन रहा। हो ना हो बीते तीन–चार दशकों में गांव–गांव होलिका और फगुआ गीतों की यह परंपरा आज के आपाधापी के युग में अब धीरे–धीरे तब जैसी नहीं दिखती। मीडिया के युग में मनोरंजन के पर्याय कई बाजारू साधन और अपनी पुरानी विरासत व पुरखों की परम्परा से जुड़े ऐसे मौसमी गीतों की परंपरा को लेकर काफी हद तक हमारी नई पीढ़ी इससे नहीं जुड़ पा रही है। आज के बदलते दौर के रीमिक्स सॉन्ग में ओछे और बनावटी गीतों में ही कई लोग अपना मनोरंजन कर लेते हैं तो ऐसे भी कई लोग हैं जो आपसी ईष्या, द्वेष के चलते अपने लोकपर्व पर एक दूसरे के घर आना –जाना भी नहीं पसंद कर रहे। हालांकि अभी भी कुछ ऐसे गीत प्रेमी हैं जो फागुन के इस उल्लास और फागुनी गीतों के राग रंग से जुड़े हैं और लोक कलाकारों को बुलवाकर जगह–जगह होली मिलन का भी आयोजन किया जा रहा है किंतु गांव–गांव पहले जैसी चलने वाली यह परंपरा अब उतना नहीं दिख रही।

मीरा चोपड़ा

बहन प्रियंका चोपड़ा को अपनी फिल्म में लेना अफोर्ड नहीं कर सकती

एक्ट्रेस मीरा चोपड़ा ने साउथ और बॉलीवुड की काफी फिल्में की हैं और अब हाल ही उन्होंने साइलेंट फिल्म शगांधी टॉक्सश को प्रोड्यूस किया। उन्होंने शनवभारत टाइम्सश संग इंटरव्यू में फिल्ममेकर के तौर पर चुनौतियों के अलावा शगांधी टॉक्सश पर प्रियंका चोपड़ा के रिएक्शन और उनके संग काम करने को लेकर बात की।

बहन प्रियंका चोपड़ा को अपनी फिल्म में लेना अफोर्ड नहीं कर सकती, च्पबरू डममतं बिवचतं प्देजंहतंउ

मीरा चोपड़ा साउथ और बॉलीवुड फिल्मों के अलावा प्रियंका चोपड़ा की कजिन बहन के तौर पर पहचानी जाती हैं। शादी के बाद वह फिल्मों से दूर थीं लेकिन अब बतौर फिल्ममेकर उन्होंने साइलेंट फिल्म शगांधी टॉक्सश के साथ वापसी की। हमसे खास बातचीत में उन्होंने अपने करियर, प्रियंका चोपड़ा की सलाह सहित कई विषयों पर बात की।

बतौर फिल्ममेकर डेब्यू करने के बाद क्या वह आगे अपनी फिल्म में बहन प्रियंका चोपड़ा को कास्ट करने के बारे में सोचती हैं। इस सवाल के जवाब में उन्होंने हंसते हुए कहा, शनहीं...नहीं। अभी तो मैं वो नहीं कर सकती। मैं अभी उनको एफोर्ड ही नहीं कर सकती हूं। मैं कभी सपने में भी ऐसा नहीं सोचती हूं। हां जब बड़ी फिल्ममेकर बन जाऊंगी तो एक दिन अपनी फिल्म में प्रियंका को कास्ट करना चाहूंगी।श

शफिल्म बनाने के लिए प्रियंका ने किया प्रेरितश

बिजनेस में हाथ आजमाने के मीरा के फैसले पर बहन प्रियंका चोपड़ा का क्या रिएक्शन था? इस बारे में वह बताती हैं, शमैंने सीधे उन्हें अपनी फिल्म (गांधी टॉक्स) का टीजर भेजा। मैंने उनको बताया कि ये फिल्म मैंने प्रोड्यूस की है। उनको इस पर बहुत गर्व महसूस हुआ। प्रियंका का व्यवहार कुछ ऐसा है कि हम में से कोई जब कुछ अच्छा करता है, तो वह बहुत गौरवान्वित महसूस करती हैं। प्रियंका ने मुझे कहा था कि फिल्म बनाना बिल्कुल भी आसान काम नहीं है, आपने टीजर बना दिया है तो प्लीज अब फिल्म बनाओ। दरअसल, उन्होंने इस इंडस्ट्री में ही नहीं, बल्कि इस वर्ल्ड में जिस तरह से अपनी पहचान बनाई है, वो ग्लोबल स्टार बन चुकी हैं। जब आपके परिवार में ऐसा कोई होता है तो आप उससे प्रेरित होते हैं। आप पहले उसको देखते हैं। हमेशा एक चाह थी कि मैं कुछ ऐसा करूं कि प्रियंका कहे कि मुझे तुम पर गर्व है और उन्होंने ऐसा कहा, ये मेरे लिए ये बड़ी है।

प्रियंका ने मुझे कहा था कि फिल्म बनाना बिल्कुल भी आसान काम नहीं है, आपने टीजर बना दिया है तो प्लीज अब फिल्म बनाओ। दरअसल, उन्होंने इस इंडस्ट्री में ही नहीं, बल्कि इस वर्ल्ड में जिस तरह से अपनी पहचान बनाई है, वो ग्लोबल स्टार बन चुकी हैं। जब आपके परिवार में ऐसा कोई होता है तो आप उससे प्रेरित होते हैं।

शएक्टिंग में लगातार काम नहीं मिलताश

एक इंटरव्यू में मीरा ने कहा था कि वह स्क्रीन पर वापसी के लिए लोगों के संपर्क में हैं। लेकिन अब वह बतौर फिल्ममेकर वापसी कर रही हैं। क्या शादी के बाद एक्टिंग में लौटना उनके लिए चुनौती भरा फैसला है? इस पर वह कहती हैं, शमेरे सामने ऐसी कोई चुनौती नहीं आई। लेकिन एक्टिंग में क्या है कि आपको दो साल काम नहीं मिला तो आप काम नहीं करोगे, फिर एकदम से एक ही साल में दो प्रोजेक्ट आ जाएं तो आप काम करोगे। दरअसल, एक्टिंग ऐसा पेशा नहीं है कि लगातार आपको काम दे ही देगा। मैं ऐसा प्रोफेशन चाहती थी कि आपका लगातार काम चलता रहे, इसलिए मैंने प्रोडक्शन का काम शुरू किया। वो मेरे कंट्रोल में है कि मुझे कब क्या बनाना है, क्या करना है। एक्टिंग में तो जब प्रोजेक्ट मिलेगा, जब आपको कुछ अच्छा लगेगा तब आप कर पाओगे। मैंने तीन साल काम करने के बाद फिर सोचा कि अब एक्टिंग में वापसी करूंगी और बहुत जल्द मैं आपको स्क्रीन पर दिखूंगी। एक्टिंग मेरा प्यार है, मैं जिंदगी में चाहे कुछ भी करूं, एक्टिंग नहीं छोड़ूंगी।श

मैं ऐसा प्रोफेशन चाहती थी कि आपका लगातार काम चलता रहे, इसलिए मैंने प्रोडक्शन का काम शुरू किया। वो मेरे कंट्रोल में है कि मुझे कब क्या बनाना है, क्या करना है। एक्टिंग में तो जब प्रोजेक्ट मिलेगा, जब आपको कुछ अच्छा लगेगा तब आप कर पाओगे। मैंने तीन साल काम करने के बाद फिर सोचा कि अब एक्टिंग में वापसी करूंगी और बहुत जल्द मैं आपको स्क्रीन पर दिखूंगी।

शदिल्ली के बारे में कोई बुराई करें तो सहन नहीं होताश

मीरा दिल्ली से हैं। दिल्ली के बारे में वह किन चीजों को याद करती हैं? वह कहती हैं, शमैं दिल्ली आकर मोती महल का बटर चिकन जरूर खाती हूं। मेरा भाई कहीं से बिरयानी लेकर आता है। मैं मॉडल टाउन में रहती हूं तो वहां पर छोले भटूरे मुझे बहुत पसंद हैं। मुंबई में मैं इतने सालों से रह रही हूं लेकिन दिल्ली का जो खाना है, वो वहां मिलता ही नहीं है। दिल्ली का स्ट्रीट फूड कमाल का है, गोलगप्पे टेस्टी होते हैं। मैं जब भी आती हूं तो हर दिन कुछ ना कुछ ट्राई करती ही हूं। कोई अगर दिल्ली की बुराई करता है तो वो भी मुझे पसंद नहीं आता। मैं हमेशा दिल्ली के बारे में अच्छी बात सुनना चाहती हूं। (हंसते हुए) अगर मुझे मुंबई में कोई ये कहता है कि दिल्ली में बहुत प्रदूषण है तो मैं ये भी पूछती हूं कि मुंबई में कितना है?

शफिल्म के गाने बनाने में समय लग गयाश

साइलेंट फिल्म के साथ बतौर प्रोड्यूसर वापसी करना और फिल्म की स्क्रीनिंग के लंबे समय बाद रिलीज करना कितनी बड़ी चुनौती थी? इस बारे में वह कहती हैं, शजब हमने स्क्रीनिंग की थी तो हमारा मकसद था कि इतना बड़ा स्टेप उठाने पर लोगों का रिएक्शन कैसा रहेगा, जो कि काफी अच्छा था। फिर हमने एक बड़ा बदलाव किया कि फिल्म का संगीत पांच भाषाओं में बनाएंगे, क्योंकि फिल्म में डायलॉग नहीं थे।

एक्ट्रेस का आरोप- छुपकर बनाया वीडियो

बेंगलुरु में एक कन्नड़ टीवी एक्ट्रेस ने 7 फरवरी को कोरमंगला इंडोर स्टेडियम में आयोजित सेलिब्रिटी विमेंस क्रिकेट के दौरान वॉशरूम में गुप्त रूप से वीडियो बनाने और पैसे न देने पर उसे ऑनलाइन वायरल करने की धमकी देने का आरोप लगाया है। इसके बाद पुलिस ने 13 फरवरी को इस मामले में थ्प्त दर्ज कर जांच शुरू की। न्यूज एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार, एक्ट्रेस एक रियलिटी शो की कंटेस्टेंट भी रह चुकी हैं। शिकायत के मुताबिक, वह तीन दिन तक चले सेलिब्रिटी विमेंस क्रिकेट में शामिल हुई थीं। 7 फरवरी को इवेंट के दूसरे दिन जब वह स्टेडियम के अंदर बने महिलाओं के वॉशरूम में गईं, तभी एक अज्ञात व्यक्ति ने उनकी जानकारी के बिना उनका आपत्तिजनक वीडियो रिकॉर्ड कर लिया। दोस्त के इंस्टाग्राम अकाउंट पर भेजा गया वीडियो थ्प्त के अनुसार, यह कथित वीडियो एक इंस्टाग्राम अकाउंट से उनकी दोस्त के इंस्टाग्राम अकाउंट पर भेजा गया।

इस हफ्ते थिएटर में एंटरटेनमेंट का धमाका

फरवरी महीने का तीसरा हफ्ता सिनेमालवर्स के लिए एंटरटनेमेंट की तगड़ी डोज लेकर आया है. दरअसल इस वीक थिएटर में दिल को छू लेने वाली लव स्टोरी और दिलचस्प कोर्टरूम ड्रामा से लेकर मजेदार रीजनल मूवीज और हॉलीवुड सस्पेंस थ्रिलर तक कई नई फिल्में रिलीज हो रही हैं. ऐसे में अगर आप इस वीकेंड मूवी देखने जा रहे हैं, तो आपके पास सिलेक्ट करने के लिए काफी ऑपशन मौजूद रहने वाले हैं. चलिए यहां 16 से 22 फरवरी के बीच थिएटर में रिलीज हो रही फिल्मों की पूरी लिस्ट चेक कर लेते हैं. दो दीवाने शहर में 'दो दीवाने शहर में' में सिद्धांतु चतुर्वेदी और मृणाल ठाकुर की जोड़ी पहली बार स्क्रीन पर एक साथ नजर आएगी. ये रोमांटिक ड्रामा 20 फरवरी को थिएटर में रिलीज हो रही है. रवि उदयवार द्वारा डायरेक्टेड और संजय लीला भंसाली द्वारा प्रोड्यूस की गई यह फिल्म मुंबई के दो अजीब मिलेनियल्स को दिखाएगी, जो खुद को एक्सेप्ट करने के लिए स्ट्रगल करते हुए प्यार पाते हैं. लीड जोड़ी के अलावा, फिल्म में इला अरुण, जॉय सेनगुप्ता, विराज गहलानी और संदीपा धर भी हैं. तापसी पन्नू एक और जबरदस्त ड्रामा के साथ बड़े पर्दे पर कमबैक कर रही हैं. ये फिल्म 20 फरवरी को थिएटर में रिलीज होने वाली है. ये एक जबरदस्त कोर्टरूम ड्रामा है जिसकी कहानी एक बहादुर वकील के इर्द–गिर्द घूमकी है। जो कोर्ट में ताकतवर और खतरनाक लोगों का सामना करता है. फिल्म में न्याय, हिम्मत और भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई जैसे मुद्दों को दिखाया जाएगा. तापसी के अलावा, फिल्म में मनोज पाहवा, कुमुद मिश्रा, रेवती, मोहम्मद जीशान अय्यूब, नसीरुद्दीन शाह, सुप्रिया पाठक और सीमा पाहवा भी अहम रोल में हैं.

जतीन सरना, मधुरिमा रॉय और प्रणय पचौरी स्टारर 'ना जाने कौन आ गया' का ट्रेलर रिलीज

बहुप्रतीक्षित हिंदी फीचर फिल्म ना जाने कौन आ गया का ट्रेलर आखिरकार रिलीज हो चुका है जतीन सरना, मधुरिमा रॉय और प्रणय पचौरी स्टारर दमदार कलाकारों से सजी इस फिल्म का निर्देशन विकास अरोड़ा ने किया है। फिल्म का निर्माण विपुल धवन और पूजा अरोड़ा ने किया है। ट्रेलर लॉन्च इवेंट में फिल्म की पूरी स्टारकास्ट मौजूद रही। जतीन सरना, मधुरिमा रॉय और प्रणय पचौरी के साथ निर्माता पूजा अरोड़ा, को–प्रोड्यूसर रीत अरोड़ा और निर्देशक विकास अरोड़ा ने मीडिया से बातचीत की। वहीं निर्माता विपुल धवन ने अपनी शुभकामनाएं भेजीं। इवेंट का माहौल फिल्म की भावनात्मक और जोशीला नजर आया। 2 मिनट 26 सेकंड का यह ट्रेलर एक दिल छू लेने वाली लाइन से शुरू होता है "प्यार बड़ी कमाल की फीलिंग्स होती है।" इसके साथ ही जतीन सरना और मधुरिमा रॉय की मासूम और खूबसूरत लव स्टोरी की झलक सामने आती है। उत्तराखंड की वादियों में फिल्माए गए रोमांटिक सीन इस प्रेम कहानी को और भी खूबसूरत बना देते हैं। बर्फ से ढकी पहाड़ियां, शांत झीलें और प्यार भरे पल ट्रेलर का हर फ्रेम इमोशन से भरपूर है। दोनों कलाकारों की केमिस्ट्री बेहद नैचुरल और दिल को छू लेने वाली लगती है।

ट्रेलर के अगले दृश्य में कुछ इंटेंस फ्लैशबैक सीन के जरिए प्रणय पचौरी के किरदार की एंट्री होती है, जो इस प्रेम कहानी को एक जटिल लव ट्राएंगल में बदल देती है। मधुरिमा रॉय के साथ उनका रिश्ता कहानी में नया मोड़ और भावनात्मक टकराव लेकर आता है। ट्रेलर में प्यार, तकरार, अधूरापन और खुद को तलाशने की जद्दोजहद को बेहद खूबसूरती से दिखाया गया है। खासतौर पर जतीन सरना और प्रणय पचौरी के बीच के टकराव वाले सीन और दमदार डायलॉग्स काफी प्रभाव छोड़ते हैं। ट्रेलर के आखिर में एक संवाद गूंजता है, जो सीधे दिल पर असर करता है द"एक शख्स पूरा है३ और दूसरा खुद को ढूंढ रहा है।" फिल्म का टाइटल ट्रैक, जिसे रेखा भारद्वाज ने अपनी आवाज में गाया है, ट्रेलर को भावनात्मक ठहराव देता है। वहीं 'मैं नहीं जानता' गाना कहानी के उस मोड़ पर सुनाई देता है जहां दिल टूटने और जुदाई का एहसास गहराता है। कुल मिलाकर, ना जाने कौन आ गया का ट्रेलर एक ऐसी इमोशनल लव स्टोरी है जो सिर्फ रोमांस नहीं, बल्कि रिश्तों की सच्चाई और खुद की तलाश की कहानी भी बताती है। दमदार अभिनय, खूबसूरत लोकेशन, इंटेंस डायलॉग्स और दिल छू लेने वाला संगीत की झलक ट्रेलर में देखी जा सकती है लॉन्च के अवसर पर जतिन सरना ने कहा, "यह फिल्म प्रेम की संवेदनशीलता को सामने लाती है। मेरा किरदार कई परतों वाला है वह गहराई से प्रेम करता है, लेकिन भावनात्मक रूप से पूर्ण नहीं हो पाता। मुझे विश्वास है कि दर्शक उसकी ईमानदारी से जुड़ाव महसूस करेंगे।"मधुरिमा रॉय ने कहा, "यह कहानी आधुनिक रिश्तों में लिए गए फैसलों और उनके परिणामों पर आधारित है। ट्रेलर में दिखाई देने वाली केमिस्ट्री उस भावनात्मक यात्रा का हिस्सा है, जिसे हमने उत्तराखंड में शूटिंग के दौरान महसूस किया।"प्रणय पचौरी ने बताया, "मेरा किरदार कहानी में अनिश्चितता लाता है। यह सिर्फ एक प्रेम त्रिकोण नहीं है, बल्कि खध्ुद को खोजने और भावनात्मक संघर्ष की कहानी भी है।"निर्देशक विकास अरोड़ा ने कहा, "ना जाने कौन आ गया" प्रेम को रूढ़ियों से परे दिखाने का प्रयास है। यह पहले स्वयं को समझने और फिर किसी और को समझने की मनमोहक यात्रा है। उत्तराखंड की प्राकृतिक सुंदरता इस फिल्म में एक मौन पात्र की तरह उभरकर सामने आई है।" सशक्त अभिनय, भावनात्मक संवाद, आकर्षक दृश्य और मधुर शीर्षक गीत के साथ, ना जाने कौन आ गया 6 मार्च 2026 को सिनेमाघरों रिलीज होगी।

एक्ने को दूर करेगा एलोवेरा, बस ऐसे करें इस्तेमाल

एलोवेरा को जब शहद और दालचीनी के साथ मिक्स किया जाता है तो इससे स्किन को एक्ने फ्री बनाया जा सकता है। इसके लिए आप 2 बड़े चम्मच शहद में 1 बड़ा चम्मच एलोवेरा मिलाएं। अब आप इसमें 1ध्4 बड़ा चम्मच पिसी हुई दालचीनी मिलाएं।

एक्ने एक ऐसी प्रॉब्लम है, जिसे हम सभी ने कभी ना कभी फेस किया ही है। जब भी ब्रेकआउट्स व एक्ने होते हैं तो ऐसे चेहरे की खूबसूरती कहीं छिप जाती है। इतना ही नहीं, हम उस एक्ने को जल्द से जल्द दूर करने के लिए तरह–तरह की क्रीम्स व उपायों का सहारा लेते हैं। लेकिन अगर आप नेचुरल तरीके से एक्ने की प्रॉब्लम को दूर करना चाहते हैं तो ऐसे में एलोवेरा का इस्तेमाल किया जा सकता है।

एलोवेरा ना केवल स्किन के अतिरिक्त ऑयल को दूर करता है, बल्कि इसके एंटी–बैक्टीरियल और एंटी– इन्फ्लेमेटरी गुण भी एक्ने को दूर करने में मददगार होते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे ही तरीकों के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आप एलोवेरा से एक्ने को दूर कर सकते हैं–

एलोवेरा और टी ट्री ऑयल का करें इस्तेमाल

अगर आप एक्ने की समस्या है तो ऐसे में आप एलोवेरा के साथ टी ट्री ऑयल को मिक्स करके अप्लाई कर सकते हैं। इसके लिए आपको बस इतना करना है कि आप फ्रेश एलोवेरा जेल लें। उसमें पानी और टी ट्री एसेंशियल ऑयल की लगभग 2–3 बूंदें मिलाएं। इसे सामान्य क्लींजर या फेस वॉश की तरह इस्तेमाल करें। सुनिश्चित करें कि आप इसे अपने चेहरे से अच्छी तरह साफ करें।

एलोवेरा, शहद और दालचीनी का करें इस्तेमाल

एलोवेरा को जब शहद और दालचीनी के साथ मिक्स किया जाता है तो इससे स्किन को एक्ने फ्री बनाया जा सकता है। इसके लिए आप 2 बड़े चम्मच शहद में 1 बड़ा चम्मच एलोवेरा मिलाएं। अब आप इसमें 1ध्4 बड़ा चम्मच पिसी हुई दालचीनी मिलाएं। अब इस मिश्रण को अपने चेहरे पर लगाएं। करीबन 5 से 10 मिनट बाद अपनी स्किन को क्लीन कर लें।

एलोवेरा आइस क्यूब का करें इस्तेमाल

इसके लिए आप सबसे पहले एलोवेरा जेल को आइस क्यूब ट्रे में जमाएं। जब यह बर्फ के टुकड़ों में बदल जाए तो आप उन्हें अपने एक्ने एरिया पर रब करें। ठंड सूजन और रेडनेस को कम करने में मदद करती है जबकि एलोवेरा स्किन को सूदिंग इफेक्ट देता है।

एलोवेरा और खीरा करें इस्तेमाल

अगर आपकी स्किन सेंसेटिव है तो ऐसे में आप एलोवेरा और खीरे को मिक्स करके भी एक्ने एरिया पर लगा सकते हैं। इसके लिए आप खीरा को कद्दूकस कर लें। इसमें एलोवेरा जेल मिक्स करें। अब आप इसे अपनी स्किन पर लगाएं और 15–20 मिनट तक लगाएं। अंत में, ठंडे पानी से धो लें।

पेड़–पौधे लगाने से यहां घर की सुंदरता बढ़ती है वहीं वास्तु शास्त्र में इनका खास महत्व बताया गया है। इस शास्त्र के अनुसार, कुछ पौधे ऐसे होते हैं जो घर में पॉजिटिविटी का संचार करते हैं। उन्हीं पौधों में से एक है जेड प्लांट। जेड प्लांट जिसे मनी ट्री, फोलर प्लांट, क्रासुला प्लांट, गुड लक ट्री जैसी कई नामों से जाना जाता है। वास्तु मान्यताओं के अनुसार, घर की सही दिशा में इसे लगाने से सुख–संपत्ति में बढ़ोतरी होती है और घर की आर्थिक स्थिति भी सुधारती है। तो चलिए जानते हैं इससे जुड़े कुछ वास्तु टिप्स....

घर में आएगी पॉजिटिविटी

इसे लगाने से घर की खूबसूरती तो बढ़ती है इसके अलावा सुख–समृद्धि का भी आगमन होता है। यह पौधा घर में पॉजिटिविटी को बढ़ावा देता है इसे घर में लगाने से सदस्यों के जीवन पर पॉजिटिव प्रभाव देखने को मिलता है और पैसों की तंगी से भी छुटकारा मिलता है।

यहां लगाएं पौधा

वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर के मुख्य द्वार पर जेड प्लांट को लगाना बहुत ही शुभ माना जाता है। यहां पर इसे लगाने से घर में पॉजिटिव एनर्जी का संचार होता है।

अच्छा रहेगा स्वास्थ्य

घर की पूर्व दिशा में इस पौधे को लगाने से परिवार में खुशहाली आती है और उनकी दीर्घायु होती है। इसके अलावा यहां पर इसे लगाने से घर के सदस्यों का मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य भी अच्छा रहता है।

पैसों की तंगी होगी दूर

दक्षिण–पूर्व दिशा में इस पौधे को लगाने से आर्थिक स्थिति मजबूत होती है। इसके अलावा पैसों की तंगी से भी छुटकारा मिलता है।

ऑफिस में होगी उन्नति

पश्चिम दिशा में इस पौधे को लगाने से एकाग्रता बढ़ता है और ऑफिस में पश्चिम दिशा में लगाने से करियर में उन्नति मिलती है।

ऐसी जगह पर न रखें पौधा

वास्तु शास्त्र के अनुसार, यह पौधा धन का प्रतीक माना जाता है इसलिए इसको गंदी या फिर किसी अंधेरी जगह पर नहीं रखना चाहिए। इसके अलावा बेडरुम या बाथरुम में भी इसे रखना शुभ नहीं माना जाता है।

बच्चे चाहे कितने भी बड़े क्यों न हो जाएं वह पेरेंट्स के लिए हमेशा छोटे ही रहते हैं। ऐसे में पेरेंट्स अक्सर अपने बच्चों को लाड प्यार में कुछ बातें नहीं सिखातें। लेकिन कुछ बातें बच्चों को बचपन में ही सिखा देनी चाहिए। ताकि उन पर इसका गहरा प्रभाव पड़े। कई बार माता–पिता सोचते हैं कि बच्चों को कुछ भी समझाने का कोई फायदा नहीं होगा क्योंकि अभी वह छोटे हैं लेकिन ऐसा नहीं होता बच्चे अपने पेरेंट्स की हर बात बहुत ही ध्यान से सुनते हैं। आज आपको कुछ ऐसी बातें बताते हैं जो पिता को बचपन में ही अपने बच्चों को सिखा देनी चाहिए। आइए जानते हैं ....

सबसे अलग बनना सिखाएं

जिंदगी में ऐसी कई परिस्थितियां आती हैं जब बच्चों को लगता है कि वह बहुत ही कमजोर हैं। ऐसे समय के लिए आप उन्हें पहले ही तैयार कर दें। बच्चों को बताएं कि जो लोग अलग होते हैं वहीं कुछ करने का जज्बा रखते हैं। आप बच्चों के गुणों को प्रोत्साहित करें। इससे वह अपनी एक अलग ही पहचान समाज में बना पाएंगे।

लड़कियां भी नहीं है किसी से कम

भले ही समाज बदल रहा है लेकिन लोगों की सोच आज भी वही पुरानी है। ऐसे में बेटियों को आज भी यही कहा जाता है कि उन्हें समाज में नीची गर्दन करके चलना है लेकिन आप अपनी बेटियों की हिम्मत बढ़ाएं। बेटियां अपने पापा के काफी करीब होती हैं ऐसे में उन्हें बताएं कि वह भी वो सारी चीजें कर सकती हैं जो लड़के करते हैं। किसी भी काम में लड़कियां कम नहीं हैं।

ना मानने दें हार

बच्चों को बताएं कि यदि उन्हें जिंदगी में सफल होना है तो किसी भी मोड़ पर हार नहीं माननी । चाहे मुश्किल की घड़ी हो उन्हें अपना हौंसला बनाकर रखता है। कड़े प्रयासों के बाद उन्हें जीवन में सफलता जरुर मिलेगी।

विनम्रता सिखाएं

बच्चे अक्सर अपने पापा से बहुत ज्यादा डरते हैं। पापा की छवि बच्चों की नजर में एक गुस्सैल और रौबदार ही रहती है। ऐसे में आप बच्चों के साथ बात करते हुए अपनी टोन का ध्यान रखें। बच्चों के साथ बात करते हुए अपनी टोन हल्की ही रखें। बच्चों के साथ बात करते हुए विनम्र रहें इससे बच्चे आपके करीब आ सकेंगे।

खुलकर पूछें सवाल

कुछ बच्चे इंट्रोवर्ट होते हैं ऐसे में वह कोई भी बात अपने पिता के सामने नहीं कर पाते। पिता के साथ बात करने में भी बच्चे झिझकते हैं। इस तरह बच्चों की जिंदगी में परेशानियां कई बार और भी ज्यादा बढ़ जाती हैं। यदि आपका बच्चा भी ऐसा है तो उसे सिखाएं कि सवाल पूछना कभी भी गलत नहीं होता। बच्चों को भी माता–पिता से सवाल करने चाहिए ताकि वह अपने जीवन को बिना किसी परेशानी के जी सकें।

देश ही नहीं विदेशों में भी इन फैशन डिजाइनर्स ने जमाई अपनी धाक, बड़े–बड़े सेलिब्रिटी भी हैं फैन

अक्सर हमारे देश में फेमस एक्टर, एक्ट्रेसस और क्रिकेट प्लेयर्स की सबसे ज्यादा चर्चा होती है। लेकिन आज हम आपको इस आर्टिकल के जरिए कुछ फेमस फैशन डिजाइनर्स के बारे में बताने जा रहे हैं। जिन्होंने ना सिर्फ भारत बल्कि विदेशों में भी अपना खूब नाम कमाया है।

अक्सर हमारे देश में फेमस एक्टर, एक्ट्रेसेस और क्रिकेट प्लेयर्स की सबसे ज्यादा चर्चा होती है। लेकिन आज हम आपको इस आर्टिकल के जरिए कुछ फेमस फैशन डिजाइनर्स के बारे में बताने जा रहे हैं। जिन्होंने ना सिर्फ भारत बल्कि विदेशों में भी अपना खूब नाम कमाया है। हमारे देश में कई फेमस फैशन डिजाइनर हैं। जिनकी स्टाइल की पूरी दुनिया दीवानी है। वैसे फैशन डिजाइनर का नाम लेते ही हमारे जहन में मनीष मल्होत्रा, सब्यसाची आदि का नाम जरूर आता है। हांलाकि यह फेमस डिजाइनर किसी परिचय के मोहताज नहीं है। इन्होंने बॉलीवुड में प्रियंका चोपड़ा, अनुष्का शर्मा, आलिया भट्ट आदि एक्ट्रेस की ड्रेस डिजाइन की है। आइए जानते हैं इन फेमस फैशन डिजाइनर के बारे में जिन्होंने भारत ही नहीं बल्कि ग्लोबल तौर पर भी अपनी पहचान बनाई है।

मनीष मल्होत्रा

मनीष मल्होत्रा भारत के जाने–पहचाने फैशन डिजाइनर हैं। उन्होंने अपने फैशन डिजाइनिंग के सफर की शुरूआत 'स्वर्ग' फिल्म में जूही चावला के लिए ड्रेस डिजाइन करके किया था। जिसके बाद उन्होंने कई बड़ी और फेमस

एक्ट्रेसेस जैसे माधुरी दीक्षित, ऐश्वर्या राय, श्री देवी, काजोल, रवीना टंडन, रानी मुखर्जी और करीना कपूर आदि के लिए ड्रेस डिजाइन किए।

रितू कुमार

बता दें कि रितू कुमार भारत की पहली ऐसी फैशन डिजाइनर हैं। जिन्होंने ट्रेडिशनल इंडियन क्राफ्ट्स में काफी अहम योगदान दिया है। रितू कुमार कपड़ो में रेशम, कपास और चमड़े का उपयोग ज्यादा करती हैं। साल 1969 में रितू कुमार ने अपना लेबल लॉन्च किया था। देशभर में रितू कुमार के 27 स्टोर हैं।

नीता लुल्ला

नीता लुल्ला फैशन डिजाइनिंग के फील्ड में 28 सालों से काम कर रही हैं। उन्होंने बॉलीवुड के कई बड़े–बड़े निर्देशकों के साथ काम किया है। साल 1985 ने नीता ने शादी की ड्रेसेज डिजाइन करना शुरू किया था। बैस्ट कॉस्ट्यूम डिजाइनिंग के लिए उनको 4 बार भारत के राष्ट्रपति से नैशनल फिल्म अवार्ड का सम्मान प्राप्त हुआ है। इसके अलावा नीता ने फैशन और स्टाइल के लिए कई नैशनल और इंटरनैशनल अवार्ड अपने नाम किए हैं।

सब्यसाची मुखर्जी

अपनी शानदार डिजाइन्स से सब्यसाची मुखर्जी ने खुद को फैशन जगत में स्थापित किया है।

91 साल के इतिहास में पहली बार चैंपियन बना जम्मू–कश्मीर, कर्नाटक को पारी की बढ़त के आधार पर हराया

हुबली,एजेंसी। जम्मू–कश्मीर ने इतिहास रचते हुए रणजी ट्रॉफी का खिताब अपने नाम कर लिया है। जम्मू–कश्मीर ने कर्नाटक के खिलाफ ये मुकाबला पहली पारी में बढ़त के आधार पर अपने नाम किया। जम्मू–कश्मीर ने पहली पारी में 291 रन की बढ़त हासिल की थी। पांचवें दिन जम्मू–कश्मीर ने दूसरी पारी में चार विकेट पर 342 रन बनाए और उसकी कुल बढ़त 633 रनों की हो गई थी। जम्मू–कश्मीर के कप्तान पारस डोगरा ने पारी घोषित करने का फैसला किया। इसके बाद दोनों टीमों के कप्तान दिन का खेल समाप्त करने पर सहमत हुए और मैच ड्रॉ रहा। इस तरह जम्मू–कश्मीर ने ऐतिहासिक जीत दर्ज कर ली।

जम्मू–कश्मीर के लिए इस मैच में आकिब नबी डार ने पहली पारी में पांच विकेट झटके, जबकि दूसरी पारी में सलामी बल्लेबाज कामरान इकबाल और साहिल लोटरा ने शानदार साझेदारी की। इन दोनों बल्लेबाजों ने पांचवें विकेट के लिए 197 रनों की अविजित साझेदारी की। इकबाल 311 गेंदों पर 16 चौकों और तीन छक्कों की मदद से 160 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि साहिल ने 226 गेंदों पर आठ चौकों और तीन छक्कों के सहारे नाबाद 101 रन बनाए।

जम्मू–कश्मीर ने पांचवें दिन दूसरी पारी चार विकेट पर 186 रन से आगे बढ़ाई। पांचवें दिन कर्नाटक के गेंदबाज विकेट के लिए तरस गए। जम्मू–कश्मीर के लिए इकबाल और साहिल ने मोर्चा संभाला और कर्नाटक के गेंदबाजों को जमकर परेशान किया। पहला सत्र पूरी तरह इकबाल और साहिल के नाम रहा। इकबाल ने पहले शतक पूरा किया और फिर साहिल भी पीछे नहीं रहे। दोनों बल्लेबाजों ने लंच ब्रेक तक कर्नाटक को एक भी सफलता हासिल नहीं करने दी। स्थिति इतनी खराब रही कि कर्नाटक के गेंदबाज पांचवें दिन का खेल समाप्त होने तक इस साझेदारी को नहीं तोड़ सके और मैच अंत में ड्रॉ रहा। कर्नाटक की ओर से प्रसिद्ध कृष्णा को दो विकेट मिले, जबकि विजयकुमार विशाक और श्रेयस गोपाल को एक–एक सफलता मिली।

जम्मू–कश्मीर के पहली पारी के 584 रनों के जवाब में कर्नाटक की टीम 293 रन पर सिमट गई। जम्मू–कश्मीर ने पहली पारी में 291 रन की बढ़त हासिल करने के बावजूद फॉलोऑन नहीं देने का फैसला किया था। अगर आज दिन के खेल की समाप्ति तक मैच का नतीजा नहीं निकल पाता है तो जम्मू–कश्मीर पहली पारी में बढ़त के आधार पर यह मुकाबला अपने नाम कर लेगा। इस तरह टीम पहली बार रणजी

ट्रॉफी का खिताब जीत सकती है।

जम्मू–कश्मीर के मुख्यमंत्री मौजूद

जम्मू–कश्मीर और कर्नाटक के बीच रणजी ट्रॉफी के फाइनल मैच को देखने के लिए जम्मू–कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला भी स्टेडियम में मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने अपने एक्स अकाउंट पर मैच की तस्वीरें साझा की थी।

जम्मू–कश्मीर के लिए आसान नहीं रहा सफर

जम्मू कश्मीर ने पहली बार 1959–60 के सत्र में रणजी ट्रॉफी में हिस्सा लिया था और तब से लेकर अब तक उसे मजबूत दावेदार नहीं माना जाता था।

जम्मू कश्मीर ने इस सत्र से पहले 334 रणजी मैच खेले थे, जिनमें से उसने केवल 45 जीते थे।

उसे अपनी पहली जीत दर्ज करने में 44 साल लग गए, जो उसने 1982–83 में सेना के खिलाफ हासिल की थी।

उसके लिए नॉकआउट में पहुंचना कभी आसान नहीं रहा लेकिन 2013–14 में उसे एक बड़ी सफलता मिली जब उसने नेट रन रेट के आधार पर गोवा को पीछे छोड़कर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई।

उसने 2015–16 में परवेज रसूल की कप्तानी में वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई को हराकर अपनी सबसे बड़ी जीत दर्ज की थी।

इस सत्र में कोच अजय शर्मा और कप्तान पारस डोगरा के नेतृत्व में जम्मू–कश्मीर ने अपने विश्वास को परिणामों में तब्दील कर दिया और वह खिताब जीतने में सफल रही।

संक्षिप्त

क्या ग्रीन स्टील का इस्तेमाल होने से कार्बन उत्सर्जन हो रहा कम?

नई दिल्ली, एजेंसी। सीआईआई व क्लाइमेट कैटालिस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक सरकारी परियोजनाओं में ग्रीन स्टील अनिवार्य करने से 2030 तक बड़े पैमाने पर कार्बन उत्सर्जन में कमी आ सकती है और इस्पात क्षेत्र को कम–कार्बन उत्पादन की ओर तेजी से बढ़ावा मिलेगा, जबकि परियोजनाओं की लागत पर असर बहुत सीमित रहेगा। सरकारी परियोजनाओं में 26 प्रतिशत ग्रीन स्टील का इस्तेमाल अनिवार्य होने से साल 2030 तक 20.9 मिलियन टन कार्बन डाइऑक्साइड का उत्सर्जन कम किया जा सकता है। अगर ग्रीन स्टील की हिस्सेदारी 37 प्रतिशत हो जाए तो इसके बाद 29. 7 मिलियन टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन से बचा जा सकता है। यह हर वर्ष लगभ 90 लाख कारों को सड़कों से हटाने के बराबर है। यह जानकारी कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री यानी सीआईआई व क्लाइमेट कैटालिस्ट की ओर से गुरुवार को जारी आकलन रिपोर्ट में आए हैं। सीआईआई के कार्यकारी निदेशक और ग्लोबल इकोलेबलिंग नेटवर्क बोर्ड के अध्यक्ष के. एस. वेंकटगिरी ने कहा कि श्ग्रीन पब्लिक प्रोक्योरमेंट भारत के इस्पात क्षेत्र को कम कार्बन उत्पादन की ओर ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। क्लाइमेट कैटालिस्ट की निदेशक साक्षी बलानी ने कहा, ग्रीन स्टील को लेकर एक मजबूत आदेश भारत के इस्पात क्षेत्र को किसी भी सब्सिडी या तकनीकी प्रोत्साहन से तेज गति से बदल सकता है। ग्रीन पब्लिक प्रोक्योरमेंट ही कार्बन उत्सर्जन घटा सकता है, बड़े पैमाने पर निवेश खोल सकता है। अगर इस्पात मंत्रालय साल 2028 में 26 प्रतिशत खरीद अनिवार्य कर दे तो 93 प्रतिशत इस्पात कंपनियां प्रमाणित ग्रीन स्टील के लिए तैयार है। अभी सार्वजनिक खरीद पर प्रतिवर्ष लगभग 45–50 लाख करोड़ रुपये खर्च कर लगभग 3.16 करोड़ टन स्टील की खपत होती है। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0, मेट्रो रेल परियोजनाएं और रेल परियोजनाओं में ग्रीन स्टील के उपयोग से परियोजना लागत केवल 0.2 प्रतिशत से 1.2 प्रतिशत तक बढ़ती है। ग्रीन पब्लिक प्रोक्योरमेंट इस दशक में भारत के इस्पात क्षेत्र की जलवायु महत्वाकांक्षाओं को ठोस और मापने योग्य कार्रवाई में बदलने का सबसे प्रभावी साधन है।

आगा पर गिरेगी गाज? छिन सकती है कप्तानी

कराची,एजेंसी। पाकिस्तान का सफर भले ही टी20 विश्व कप में अभी समाप्त नहीं हुआ है और वह सेमीफाइनल की दौड़ में बना हुआ है। इससे पहले ही हालांकि, पाकिस्तान क्रिकेट में उथल–पुथल शुरू हो गई है। समाचार एजेंसी पीटीआई के अनुसार, टूर्नामेंट में पाकिस्तान का अभियान कैसा भी रहे, लेकिन सलमान अली आगा की कप्तानी जाना तय है। इतना ही नहीं ये टी20 विश्व कप कुछ सीनियर खिलाड़ियों का राष्ट्रीय टीम के लिए आखिरी टूर्नामेंट भी हो सकता है। सूत्रों के अनुसार, पाकिस्तान का टूर्नामेंट में जिस तरह सरफ रहा है उससे पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी नाखुश हैं। सूत्र ने कहा कि नकवी अभियान से खुश नहीं हैं क्योंकि चयनकर्ता, टीम प्रबंधन और उनके करीबी लोगों ने उन्हें आश्वस्त किया था कि टी20 विश्व कप में टीम का अभियान शानदार रहेगा। सूत्र के मुताबिक, नकवी ने सलमान को टी20 कप्तान पद से हटाने का मन बना लिया है और इसके साथ ही कुछ खिलाड़ियों के भविष्य को लेकर मुख्य कोच माइक हेसन और चयनकर्ताओं के साथ चर्चा भी की है।

प्रति व्यक्ति आय में इजाफा, राष्ट्रीय आय में भी हुई 10.2प्रतिशत की वृद्धि विदेशी निवेश में 18 फीसदी उछाल

नई दिल्ली,एजेंसी। देश में प्रति व्यक्ति शुद्ध राष्ट्रीय आय वर्तमान में 1,92,774 रुपये आंकी गई है। शुद्ध राष्ट्रीय आय 271. 44 लाख करोड़ रुपये है। यही नहीं, बचत के मोर्चे पर मजबूती दिखी है। इस कारण निवेश और पूंजी निर्माण के लिए घरेलू संसाधन आधार मजबूत हुआ है। आने वाले वक्त में कई देशों के साथ हुए व्यापार समझौते व घरेलू मांग के कारण निर्माण में बढ़ोतरी होगी। उपभोग व निर्यात में भी उछाल आने के आसार हैं। जीडीपी के नवीनतम संशोधित आंकड़ों के मुताबिक, वर्तमान मूल्यों पर प्रति व्यक्ति निजी अंतिम उपभोग व्यय (पीएफसीई) वर्ष 2022–23, 2023–24 और 2024–25 के लिए क्रमशः 1,07,910 रुपये 1,17,356 रुपये और 1,27,627 रुपये आंका गया। वर्ष 2024–25 में वर्तमान मूल्यों पर शुद्ध राष्ट्रीय आय 271.44 लाख करोड़ है। यह 2023–24 के 246.25 लाख करोड़ रुपये की तुलना में 10.2ः की वृद्धि दर्शाती है। जबकि 2023–24 में यह वृद्धि दर 11.6ः थी। देश में प्रति व्यक्ति शुद्ध राष्ट्रीय आय वर्ष 2022–23, 2023–24 के लिए क्रमशः 1,59,557 रुपये व 1,76,465 रुपये है। जहां तक बचत की बात है, तो वर्ष 2024–25 में सकल बचत 111.13 लाख करोड़ रुपये थी। 2024–25 में सकल बचत में प्रमुख हिस्सेदारी घरेलू क्षेत्र की 62.1ः तथा गैर–वित्तीय निगमों की 28.9ः है। वर्ष 2024–25 में वास्तविक सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) में वृद्धि मुख्यतः विनिर्माण, खनन, निर्माण, वित्तीय सेवाएं तथा रियल एस्टेट, आवास स्वामित्व एवं व्यावसायिक सेवाओं में वृद्धि के कारण हुई। वर्तमान कीमतों पर सरकारी अंतिम उपभोग व्यय (जीएफसीई) का अनुमान 2024–25 के लिए 33.95 लाख करोड़ रुपये है, जबकि वर्ष 2023–24 में यह 30.74 लाख करोड़ रुपये था। वास्तविक जीडीपी या स्थिर कीमतों पर जीडीपी का स्तर वित्त वर्ष 2025–26 में 322.58 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान है। वर्ष 2024–25 के लिए जीडीपी का प्रथम संशोधित अनुमान (एफआरई) 299.89 लाख करोड़ रुपये था। वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच चालू वित्त वर्ष 2025–26 की अप्रैल–दिसंबर अवधि में देश में 18 फीसदी अधिक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) आया।घ्एफडीआई प्रवाह का यह आंकड़ा बताता है कि वैश्विक बाजार में चुनौतियों और कई देशों में तनाव के बीच विदेशी निवेशकों में भारत को लेकर भरोसा कामय है। सरकार की ओर से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, अप्रैल–दिसंबर, 2025 में देश में 47.87 अरब डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी आया, जो सालाना आधार पर 18 फीसदी की वृद्धि को दर्शाता है। वित्त वर्ष 2024–25 की समान अवधि में देश में 40.67 अरब डॉलर का एफडीआई आया था। 2025–26 के पहले नौ महीनों में देश कुल 73.31 अरब डॉलर का प्रत्यक्ष विदेश आया, जिसमें पुनर्निवेश आय भी शामिल है।

झारखंड हाउसिंग बोर्ड ने धोनी को क्यों थमाया नोटिस? आवासीय प्लॉट से जुड़ा है मामला

रांची,एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान एमएस धोनी को झारखंड हाउसिंग बोर्ड ने आवासीय भूखंड के कथित दुरुपयोग को लेकर नोटिस जारी किया है। जांच में आरोप सही पाए जाने पर भूखंड आवंटन रद्द किया जा सकता है। झारखंड राज्य आवास बोर्ड ने पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को रांची स्थित उनके एक आवासीय भूखंड के कथित दुरुपयोग के मामले में नोटिस भेजा है। एक अधिकारी ने शुक्रवार को इसकी पुष्टि की। नोटिस में कहा गया है कि विश्व कप विजेता कप्तान को आवंटित यह भूखंड केवल आवासीय उपयोग के लिए दिया गया था। लेकिन अधिकारियों का दावा है कि इस संपत्ति का उपयोग व्यावसायिक गतिविधियों के लिए किया जा रहा है, जो आवंटन की शर्तों का उल्लंघन है।

झारखंड हाउसिंग बोर्ड के अध्यक्ष संजय लाल पासवान ने फोन पर आज तक को बताया कि बोर्ड ने यह जमीन कई लोगों को आवासीय उद्देश्य से आवंटित की थी।

मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कोलकाता में कालीघाट मंदिर के किए दर्शन, विंडीज के खिलाफ मैच से पहले की पूजा

कोलकाता,एजेंसी। भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कोलकाता स्थित कालीघाट मंदिर के दर्शन किए। गंभीर शनिवार को कालीघाट मंदिर पहुंचे और उन्होंने मां काली के दर्शन किए। भारत का टी20 विश्व कप के सुपर आठ चरण में सामना अब वेस्टइंडीज है। दोनों टीमों के बीच ये मैच कोलकाता के ईडेन गार्डेंस में रविवार को खेला जाना है। भारत के लिए यह मैच वर्चुअल नॉकआउट की तरह है। भारतीय टीम शुक्रवार को कोलकाता पहुंच गई थी। भारत के लिए वेस्टइंडीज के खिलाफ मुकाबला काफी अहम है क्योंकि अगर टीम ये मैच जीत लेती है तो वह सेमीफाइनल में जगह बना लेगी, जबकि विंडीज का सफर सुपर आठ चरण में ही थम जाएगा। गंभीर भी इस मैच का महत्व बखूबी समझते हैं। गंभीर अक्सर मंदिर जाते रहे हैं और इस महत्वपूर्ण मुकाबले से पहले उन्होंने मां काली के दर्शन किए हैं। भारत के लिए राहत की बात यह है कि कोलकाता में टी20 में उसका रिकॉर्ड बेहद शानदार है। वहीं, वेस्टइंडीज का ईडेन गार्डेंस पर रिकॉर्ड अच्छा नहीं है। वेस्टइंडीज ने कोलकाता में कुल सात टी20 मुकाबले खेले हैं जिसमें से तीन में उसे जीत मिली है, जबकि चार मैच टीम ने गंवाए हैं। दिलचस्प बात यह है कि वेस्टइंडीज को इस मैदान पर सभी हार भारत के खिलाफ ही मिली है। टी20 विश्व कप की बात करें तो भारत ने ईडेन गार्डेंस पर सिर्फ एक मैच खेला है। 2016 टी20 विश्व कप में भारत का सामना इसी मैदान पर पाकिस्तान से हुआ था जहां भारतीय टीम छह विकेट से जीत दर्ज करने में सफल रही थी। कोलकाता में भारत ने खेले कुल नौ टी20 मैच में से सात जीते हैं, जबकि एक मैच गंवाया है और एक मुकाबला रद्द रहा है।

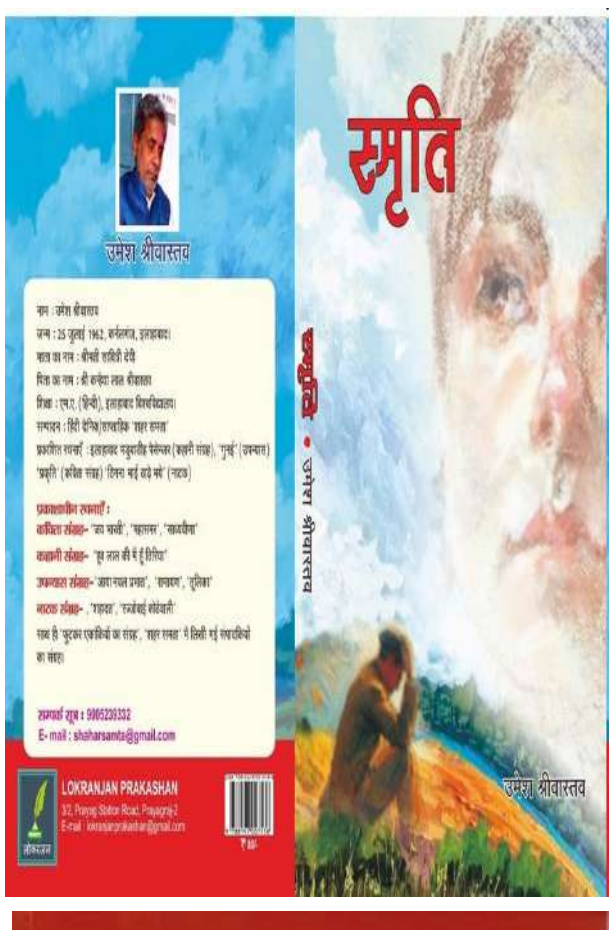

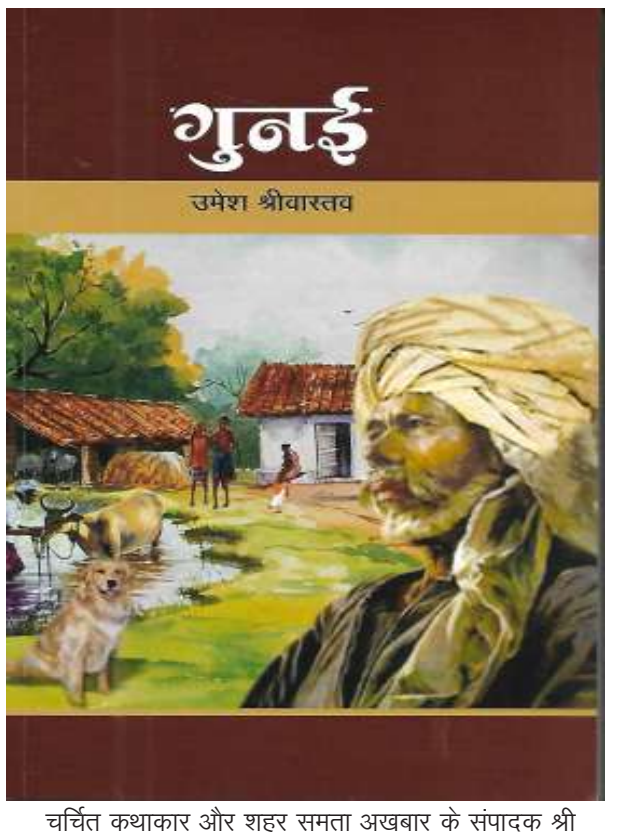

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

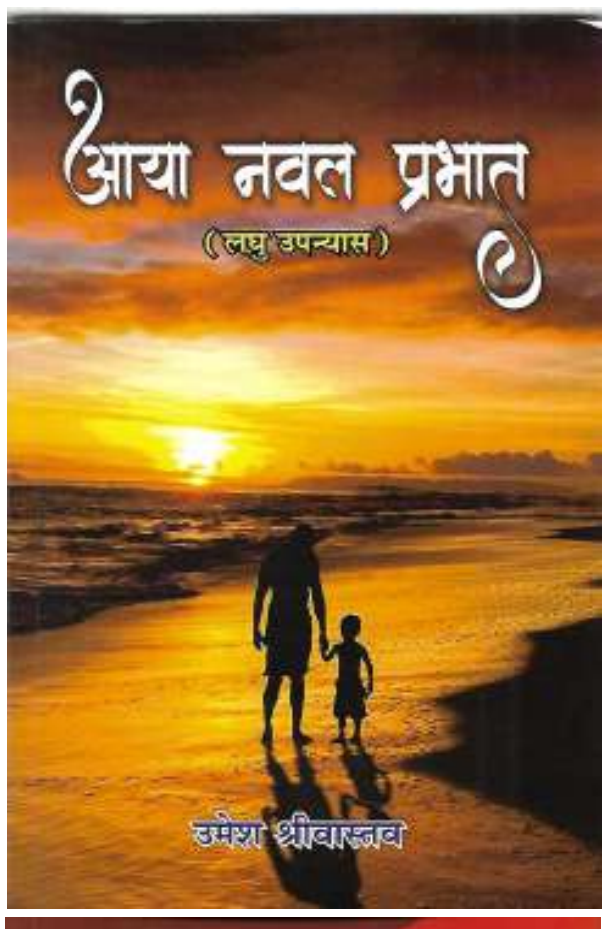

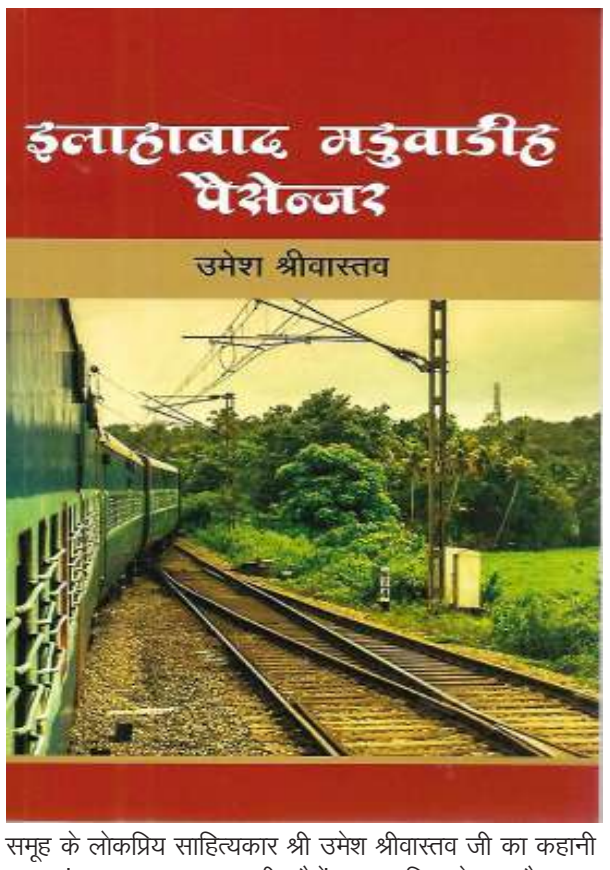

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

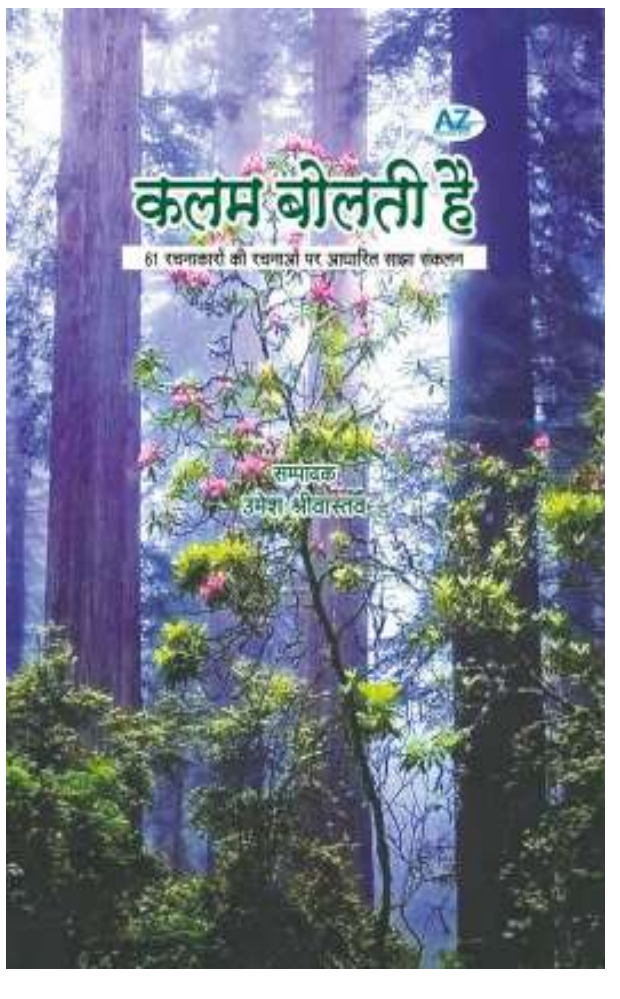

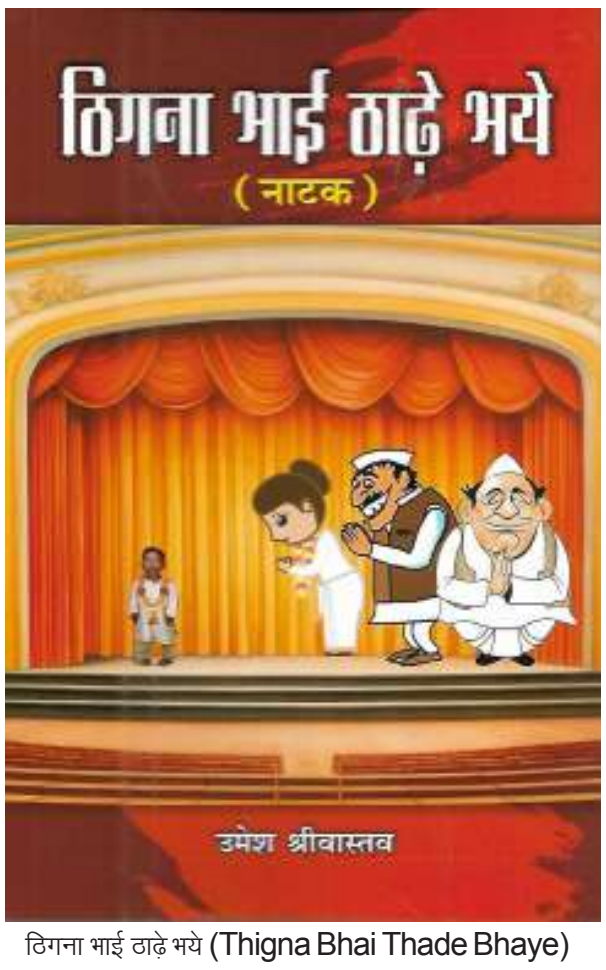

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

US-इस्राइल का ईरान पर हमला: खामेनेई-ईरानी मंत्रियों के दफ्तरों को बनाया निशाना, एक साथ 30 जगहों पर दागे रॉकेट

तेहरान, एजेंसी। ईरान के साथ बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका और इस्राइल ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए तेहरान पर व्यापक हमले शुरू कर दिए हैं। ईरान के कई जगहों को निशाना बनाया गया है। ईरान में एक साथ 30 जगहों पर रॉकेट दागे गए हैं। तेहरान में तेज धमाकों की आवाज सुनी गई है। ईरान पर हमले का इस्राइल ने वीडियो भी जारी किया है। इस्राइल सेना ने ईरान पर एक के एक कई रॉकेट दागे हैं। इस्राइल ने स्थानीय समयानुसार सुबह 8.00 बजे हमले शुरू किए। एपी की रिपोर्ट के मुताबिक इस्राइल में सायरन बज रहे हैं, क्योंकि इस्राइल ने मिसाइल हमलों की आशंका की चेतावनी दी है। रिपोर्ट में बताया गया है कि लोगों ने ईरान की राजधानी तेहरान में धमाका सुने। ईरान की राजधानी तेहरान के डाउनटाउन में धमाका हुआ और आसमान में घना धुआं उठता देखा गया। ईरान के मंत्रालयों को इस्राइल ने निशाना बनाया है। सुप्रीम नेता खामेनेई, राष्ट्रपति के ऑफिस पर भी हमला किया गया है। इसी के साथ ईरान के संभावित हमले के मद्देनजर इस्राइल ने एडवाइजरी जारी करते हुए लोगों से सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए कहा है। इस्राइल ने ईरान के खिलाफ चलाए अभियान का नाम ऑपरेशन शील्ड ऑफ जूडा है, जिसका मतलब यहूदियों की ढाल होता है। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि ईरान की राजधानी तेहरान में और भी विस्फोट हुए हैं। यह हमला सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के कार्यालय के पास हुआ। हालांकि यह तुरंत स्पष्ट नहीं हो पाया कि 86 वर्षीय खामेनेई उस समय अपने कार्यालयों में मौजूद थे या नहीं। अमेरिका के साथ बढ़ते तनाव के चलते उन्हें कई दिनों से सार्वजनिक रूप से नहीं देखा गया है। लेकिन यह हमला ऐसे समय हुआ है, जब अमेरिका ने ईरान पर उसके परमाणु कार्यक्रम को लेकर समझौता कराने के लिए दबाव बनाने के उद्देश्य से क्षेत्र में लड़ाकू विमानों और युद्धपोतों का एक विशाल बेड़ा तैनात किया है। इस्राइल ने ईरान के खिलाफ प्री–एम्पटिव अटैक यानी पूर्वव्यापी हमला शुरू कर दिया है। सुबह एक बयान में इस्राइल के रक्षा मंत्री इस्राइल काट्ज ने पूरे देश में शविशेष और स्थायी आपातकाल की स्थितिश घोषित की है। बता दें कि पूर्वव्यापी हमला एक ऐसी सैन्य या रणनीतिक कार्रवाई है, जो दुश्मन के हमला किए जाने की आशंका से पहले ही कर दिया जाता है, ताकि दुश्मन को कमजोर किया जा सके या खुद को सुरक्षित रखा जा सके। जानकारी के मुताबिक संभावित हमलों की आशंका के बीच इस्राइल में सभी स्कूलों को बंद कर दिया है। लोगों को सुरक्षित स्थान पर जाने के लिए कहा गया है। साथ ही लोगों के घरों से काम करने के लिए कहा गया है। आईडीएफ ने आशंका जताई है कि मिसाइल और ड्रोन से हमला हो सकता है। इसी के साथ हवाई सीमा की बंद कर दी गई है। तेहरान के एयरपोर्ट पर हमला किया गया है। मेहराबाद एयरपोर्ट पर धमाकों की आवाज सुनी गई। ईरानी मीडिया ने हमले की पुष्टि करते हुए बताया कि ध मााकों की आवाज सुनी जा रही है। वहीं ईरान भी हवाई सीमा बंद कर दी है।

संक्षिप्त

अफगान बलों का दावा- जलालाबाद में मार गिराया पाकिस्तानी लड़ाकू विमान, पायलट को पकड़ा जिंदा

इस्लामाबाद/जलालाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच सीमा पर तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। इस बीच शनिवार को अफगान बलों ने दावा किया कि

जलालाबाद शहर में एक पाकिस्तानी लड़ाकू विमान को मार गिराया गया। अफगान बलों ने दावा किया है कि विमान मार गिराए जाने के बाद उसके पायलट को जिंदा पकड़ लिया गया है। एएफपी की रिपोर्ट में अफगान सैन्य और पुलिस सूत्रों के अनुसार, एक पाकिस्तानी लड़ाकू विमान शनिवार को जलालाबाद के एक जिले में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने एएफपी को बताया कि पायलट ने विमान से पैराशूट की मदद से छलांग लगाई और फिर उसे हिरासत में ले लिया गया। जलालाबाद के पुलिस प्रवक्ता तैयब हम्माद ने पुष्टि करते हुए कहा, श्जलालाबाद शहर के छठे जिले में एक पाकिस्तानी लड़ाकू विमान को मार गिराया गया और उसके पायलट को जिंदा पकड़ लिया गया।श पूर्वी अफगानिस्तान में सेना के प्रवक्ता वाहिदुल्ला मोहम्मदी ने भी इस बात की पुष्टि की है। पाकिस्तान के सूचना मंत्री अत्ताउल्लाह तरार ने शुक्रवार देर रात दिए अपडेट में दावा किया कि सुरक्षा बलों ने 297 लड़ाकों को मार गिराया और 450 से अधिक अफगान जवान घायल हो गए। उन्होंने दावा किया कि ऑपरेशन गजब–लिल–हक के दौरान पाकिस्तान ने अफगान बलों की 89 चौकियों को नष्ट कर दिया और 18 अन्य पर कब्जा कर लिया। इसी के साथ लगभग 135 टैंक और बख्तरबंद वाहन भी नष्ट कर दिए गए। पाकिस्तानी मंत्री ने दावा किया कि पाकिस्तानी वायुसेना ने अफगानिस्तान भर में लगभग 29 स्थानों को भी प्रभावी ढंग से निशाना बनाया। अफगानिस्तान की ओर से सीमा पर एक साथ 53 जगहों पर हमले किए जाने के बाद पाकिस्तान ने ऑपरेशन गजब–लिल–हक नाम का एक जवाबी हमला शुरू किया है। सेना के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने शुक्रवार शाम को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि अफगान तालिबान को पाकिस्तान और आतंकवादी संगठनों के बीच चुनाव करना होगा।

इंस्टा-यूट्यूब की लत ने छीना बचपन, युवती का चौंकाने वाला खुलासा, मेटा और गूगल पर मुकदमा

लॉस एंजेलिस, एजेंसी। अमेरिका के लॉस एंजिलिस में चल रहे एक बहुचर्चित मुकदमे में 20 वर्षीय एक युवती ने मेटा और गूगल पर आरोप लगाया है कि इंस्टाग्राम और यूट्यूब की लत ने उसका बचपन छीन लिया। अदालत में जूरी के सामने उसने कहा कि वह सुबह उठते ही इंस्टाग्राम देखती थी और देर रात तक सोशल मीडिया पर रहती थी, जिससे उसके पारिवारिक संबंध ा, पढ़ाई और मानसिक स्वास्थ्य पर गंभीर असर पड़ा। निजता की सुरक्षा के लिए केजीएम या कैली नाम से पहचानी जा रही युवती ने अदालत को बताया कि उसने 6 साल की उम्र में यूट्यूब और 9 साल की उम्र में इंस्टाग्राम का इस्तेमाल शुरू किया। उसने कहा कि उसकी कम उम्र के बावजूद इन प्लेटफॉर्म्स पर उसे रोकने के लिए कोई प्रभावी बाधा नहीं थी।उसने जूरी से कहा, मैंने परिवार के साथ जुड़ना बंद कर दिया क्योंकि मैं अपना सारा समय सोशल मीडिया पर बिताती थी। कैली को बॉडी डिस्मॉर्फिया का निदान किया गया है। यह एक ऐसी स्थिति है जिसमें व्यक्ति अपनी शारीरिक बनावट को लेकर अत्यधिक चिंता करता है। उसके वकील मार्क लेनियर के सवाल पर कि क्या सोशल मीडिया से पहले उसे ऐसे विचार आते थे, कैली ने जवाब दिया, नहीं। उसने यह भी कहा, 9 व 10 वर्ष की उम्र में उसे पहली बार चिंता, अवसाद के लक्षण महसूस हुए। किशोरावस्था में इन विकारों का औपचारिक निदान हुआ। 10 साल की उम्र तक वह खुद को नुकसान पहुंचाने लगी थी और खुद को काटने जैसी हरकतें करती थी। केस में शुरुआत में टिकटॉक और स्नैपचौट को भी शामिल किया गया था, लेकिन ट्रायल से ठीक पहले दोनों कंपनियों ने समझौता कर लिया। केस का फैसला, जो मार्च में आने की उम्मीद है, यह तय करेगा कि सोशल मीडिया कंपनियों की अपने सबसे कम उम्र के उपयोगकर्ताओं के प्रति कानूनी जिम्मेदारी क्या है। मेटा के वकीलों ने तर्क दिया कि कैली की मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं की जड़ उसके पारिवारिक जीवन में थीं। प्रमुख वकील पॉल श्मिट ने ट्रायल के पहले दिन उन बयानों का हवाला दिया जो कैली ने केस दायर करने से पहले अपने घरेलू जीवन के बारे में दिए थे।

नेपाल का अगला प्रधानमंत्री कौन?: जेन-जी विद्रोह के बाद पहली बार चुनाव, मैदान में तीन दावेदार, एक पूर्व पीएम भी

काठमांडू , एजेंसी। नेपाल में 16वें प्रधानमंत्री के चयन के लिए राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। प्रधानमंत्री पद के लिए तीन प्रमुख उम्मीदवार मैदान में हैं, जिनके भाग्य का फैसला 5 मार्च को होने वाले मतदान से होगा। इन दावेदारों में देश की अनुभवी कम्युनिस्ट पार्टी के नेता केपी शर्मा ओली, पूर्व रैपर और काठमांडू के मेयर रह चुके बालेंद्र शाह (बालेन), और देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी नेपाली कांग्रेस के युवा नेता गगन थापा शामिल हैं।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

89 अफगान चौकियां नष्ट, 18 पर किया कब्जा, PAK के मंत्री का दावा- हमलों में मारे 297 तालिबान लड़ाके

इस्लामाबाद, एजेंसी। अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच जंग के हालात बने हुए हैं और दोनों ओर से ही हमलों का दौर जारी है। इस बीच पाकिस्तानी अधिकारियों ने बताया है कि अफगान तालिबान और उनके सहयोगी आतंकवादी समूहों के लगभग 300 जवान उनके खिलाफ चल रहे अभियान में मारे जा चुके हैं। वहीं, सूचना मंत्री अत्ताउल्लाह तरार ने देर रात दिए अपडेट में कहा कि सुरक्षा बलों ने 297 लड़ाकों को मार गिराया और 450 से अधिक अफगान जवान घायल हो गए। अफगानिस्तान में तालिबान शासन के बारे में बताते हुए मंत्री ने कहा कि ऑपरेशन गजब–लिल–हक के दौरान पाकिस्तान ने उनकी 89 चौकियों को नष्ट कर दिया और 18 अन्य पर कब्जा कर लिया। इसी के साथ लगभग 135 टैंक और बख्तरबंद वाहन भी नष्ट कर दिए गए। मंत्री ने कहा कि पाकिस्तानी वायुसेना ने अफगानिस्तान भर में लगभग 29 स्थानों को भी प्रभावी ढंग से निशाना बनाया। अफगानिस्तान की ओर से सीमा पर एक साथ 53 जगहों पर हमले किए जाने के बाद पाकिस्तान ने ऑपरेशन गजब–लिल–हक नाम का एक जवाबी हमला शुरू किया है। सेना के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने शुक्रवार शाम को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि अफगान तालिबान को पाकिस्तान और आतंकवादी संगठनों के बीच चुनाव करना होगा। उन्होंने कहा, श्मैं एक बात स्पष्ट करना चाहता हूंरू दमनकारी अफगान तालिबान शासन को एक स्पष्ट विकल्प चुनना होगा। उसे तहरीक– ए–तालिबान पाकिस्तान, बलूच लिबरेशन आर्मी, दाएश, अल कायदा, आतंकवादियों और आतंकवादी संगठनों और पाकिस्तान के बीच चयन करना है। पाकिस्तान लंबे समय से अफगान तालिबान पर टीटीपी और अन्य आतंकवादी समूहों को पाकिस्तान के खिलाफ हमले करने के लिए अपने देश की धरती का इस्तेमाल, पनाह देने, प्रशिक्षण और रसद आपूर्ति के लिए करने की अनुमति देने का आरोप लगाता रहा है।

इटली के मिलान में पटरी से उतरी ट्राम, दुकान में घुसी, हादसे में दो लोगों की मौत, 40 घायल

मिलान, एजेंसी। इटली के मिलान शहर में शुक्रवार को एक ट्राम के पटरी से उतरने से बड़ा हादसा हो गया। बेपटरी होने के बाद ट्राम एक इमारत से टकरा गई। इस हादसे में दो लोगों की मौत हो गई और 38 अन्य घायल हो गए। शहर के मेयर ग्यूसेप्पे सला ने घटनास्थल पर पहुंचकर बताया कि मृतकों में से एक व्यक्ति ट्राम के पटरी से उतरने के दौरान उसकी चपेट में आ गया, जबकि दूसरा पीड़ित एक यात्री था। हादसे के बाद कुछ ही देर में मौके पर पहुंचे दमकलकर्मियों ने सदमे में आए यात्रियों को आपातकालीन कंबलों में लपेट दिया, जबकि एंबुलेंस गंभीर रूप से घायल लोगों को अस्पताल ले गई। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने हादसे के बाद मृतकों के लिए अपनी संवेदना व्यक्त की। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, प्रारंभिक जांच से पता चला है कि चालक ने ट्रैक स्विच को सक्रिय नहीं किया था। यह भी बताया गया है कि दुर्घटना से पहले चालक लाइन के अंतिम स्टॉप से भी आगे निकल गया था। द गार्डियन की रिपोर्ट के अनुसार एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि एक आदमी ट्राम के नीचे फंसा था, जिसका हाथ ट्राम के नीचे आ गया था। मुख्य जांचकर्ता अभियोजक मार्सेलो वियोला ने कहा कि ट्राम के बेपटरी होकर इमारत में घुसने की वजह से बिल्डिंग पर काफी प्रभाव पड़ा है। उन्होंने बताया कि सुरक्षा कारणों के चलते फिलहाल इमारत को खाली करा लिया गया है। सला के अनुसार पीड़ितों में से एक 60 वर्ष से अधिक आयु के इटली के नागरिक थे, जबकि दूसरा एक विदेशी नागरिक था जो शहर में रहता था। उन्होंने आगे कहा, श्ऐसा नहीं लगता कि यह कोई तकनीकी समस्या थी, बल्कि यह ड्राइवर से संबंधि ात थी।श प्रत्यक्षदर्शियों ने मीडिया को बताया कि ट्राम तेज गति से चल रही थी। लेकिन यह तुरंत स्पष्ट नहीं हो पाया कि क्या वह ट्राम के लिए निर्धारित 50 किलोमीटर (31 मील) प्रति घंटे की गति सीमा का उल्लंघन कर रही थी।

इस्राइल-ईरान तनाव: यूरोपीय देशों ने नागरिकों से की पश्चिम एशिया छोड़ने की अपील

नई दिल्ली, एजेंसी। कुछ यूरोपीय देशों ने अपने नागरिकों से ईरान और मिडिल ईस्ट के कई दूसरे इलाकों में बढ़ते तनाव के कारण वहां से चले जाने या वहां की यात्रा से बचने की अपील की है। भारत सरकार पहले ही अपने नागरिकों को हालिया तनाव को देखते हुए एडवायजरी जारी कर चुकी है। सरकारों की ओर से संभावित फ्लाइट कैंसिलेशन या देरी की चेतावनी दी और प्रभावित इलाकों में नागरिकों से सतर्क रहने और भीड़भाड़ से बचने का आग्रह किया। ब्रिटिश सरकार ने शुक्रवार (स्थानीय समयानुसार) को कहा कि उसने ईरान से अपने स्टाफ को कुछ समय के लिए वापस बुला लिया है और उसका दूतावास रिमोटली काम करता रहेगा और देश की किसी भी यात्रा के खिलाफ सलाह दी है। फ्रांस के विदेश मंत्रालय ने फ्रांसीसी नागरिकों के लिए इजरायल, यरुशलम और वेस्ट बैंक की यात्रा के खिलाफ एक सुरक्षा एडवाइजरी जारी की, जिसमें ईरान से जुड़ी स्थिति से संभावित क्षेत्रीय नतीजों का हवाला दिया गया। एडवाइजरी में कहा गया, यह ट्रैवल एडवाइजरी इजरायल और फिलिस्तीन के लिए है। विदेश, राष्ट्रमंडल और विकास कार्यालय (एफसीडीओ) अब इजरायल और फिलिस्तीन की जरूरी यात्रा को छोड़कर बाकी सभी जगहों पर यात्रा न करने की सलाह दे रहा है। एफसीडीओ ने गाजा की यात्रा न करने की सलाह दी है। एफसीडीओ ने गाजा के साथ बॉर्डर के 500 मीटर के अंदर यात्रा न करने की सलाह दी है। इसके अलावा, एडवाइजरी में वेस्ट बैंक, तुलकरम गवर्नरेट, जेनिन गवर्नरेट और टुबास गवर्नरेट और रूट 90 को भी शामिल किया गया है। इटली ने भी अपने नागरिकों से ईरान छोड़ने का आग्रह किया और पूरे मिडिल ईस्ट में बहुत सावधानी बरतने की सलाह दी। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ष्इटली के लोग जो टूरिज्म के लिए ईरान आए हैं या जिनकी मौजूदगी बहुत जरूरी नहीं है, उनसे वापस जाने का आग्रह किया जाता है।ष इसके साथ ही इराक और लेबनान की यात्रा करने से भी सख्ती से मना किया। जर्मनी ने पूरे इजरायल की यात्रा को रोकने के लिए अपनी ट्रैवल गाइडेंस को अपडेट किया और पहले की सलाह को बढ़ाया जो देश के कुछ हिस्सों पर ही लागू थी। पोलैंड के विदेश मंत्रालय ने अपने नागरिकों से ईरान, इजरायल और लेबनान तुरंत छोड़ने को कहा है और चेतावनी दी है कि पश्चिम एशिया में सुरक्षा की स्थिति ठीक नहीं है और सिविलियन एयरस्पेस के बंद होने से फ्लाइट नामुमकिन हो सकती हैं या उनमें बहुत ज्यादा रुकावट आ सकती है। डच विदेश मंत्रालय ने पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव का हवाला देते हुए इजरायल और गाजा, लेबनान और मिस्र के बीच सीमा वाले इलाकों के लिए अपनी ट्रैवल एडवाइजरी जारी कर दी है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, पश्चिम एशिया में मौजूदा तनाव के कारण, इजरायल में सुरक्षा की स्थिति अनिश्चित हैय आपकी स्थिति चाहे जो भी हो, वहां यात्रा न करें। यह बहुत खतरनाक है। कई यूरोपीय देशों ने पहले भी यात्रा की चेतावनी जारी की है।

ट्रंप ने एंथ्रोपिक को दिखाया बाहर का रास्ता, सैम ऑल्टमैन के ओपनएआई की पेंटागन में एंट्री, जानें मामला

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी एआई कंपनी ओपनएआई के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सैम ऑल्टमैन ने शुक्रवार को कहा कि कंपनी ने अमेरिकी रक्षा विभाग पेंटागन के साथ एक समझौता किया है। इसके तहत उसके एआई मॉडल रक्षा एजेंसी के क्लासिफाइड नेटवर्क में श्तकनीकी सुरक्षा उपायोंश के साथ इस्तेमाल किए जाएंगे। ऑल्टमैन ने कहा कि कंपनी के दो सबसे महत्वपूर्ण सुरक्षा सिद्धांत घरेलू स्तर पर सामूहिक निगरानी पर रोक और बल प्रयोग की जिम्मेदारी मनुष्यों के हाथ में रखने से जुड़े हैं, जिनमें स्वायत्त हथियार प्रणालियां भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि ये सिद्धांत इस समझौते का हिस्सा बनाए गए हैं। ऑल्टमैन ने कहा, श्हम अपने मॉडलों के सही ढंग से काम करने को सुनिश्चित करने के लिए तकनीकी सुरक्षा उपाय भी बनाएंगे, जैसा कि युद्ध विभाग भी चाहता था। हम अपने मॉडलों की सहायता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए थ्क्म (फाइनल डेवलपमेंट ऑथेंटिकेशन) तैनात करेंगे, और इन्हें केवल क्लाउड नेटवर्क पर ही तैनात करेंगे।

हम युद्ध विभाग से अनुरोध कर रहे हैं कि वह सभी AI कंपनियों को यही शर्तें प्रदान करे, जिन्हें हमारे विचार से सभी को स्वीकार करना चाहिए।श यह घोषणा ऐसे समय में आई है जब प्रतिद्वंद्वी एआई स्टार्टअप एंथ्रोपिक ने पेंटागन के साथ अपने समझौते में इसी तरह के सुरक्षा प्रावधानों पर जोर दिया था, जिस पर इस सप्ताह ट्रंप प्रशासन की नाराजगी सामने आई थी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सभी संघीय एजेंसियों को एंथ्रोपिक टेक्नोलॉजी का उपयोग तुरंत बंद करने के निर्देश दिए हैं। इसी के साथ पेंटागन और एंथ्रोपिक आमने–सामने आ चुके हैं।

ट्रंप के एजेंसियों को दिए सख्त आदेश के बाद रिपोर्ट्स के मुताबिक एंथ्रोपिक ने अपनी एआई तकनीक पर श्आपूर्ति चेन जोखिमश का लेबल लगाने के मामले में पेंटागन को अदालत में चुनौती देगा। अमेरिका का रक्षा विभाग पेंटागन प्रसिद्ध एआई कंपनी एंथ्रोपिक के साथ उस वक्त गंभीर विवाद में फंस गया है। जब उसने एंथ्रोपिक से कह रहा है कि उसके एआई मॉडल क्लाउड (ब्सनकम) को अमेरिकी सेना में बिना रोक–टोक उपयोग करने की अनुमति दें। इसी के साथ कहा गया कि अगर एआई कंपनी ऐसा नहीं करती है, तो उसे सप्लाई चेन रिस्क के रूप में नामित करने की भी चेतावनी दी। यह ऐसा गंभीर कदम है, जो उसके व्यापार को बुरी तरह से प्रभावित कर सकता है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

प्रेस पुस्तक पंजीकरण अधिनियम की धारा-१९ डी के अधीन प्रकाशनार्थ अपेक्षित ''शहर समता'' हिन्दी दैनिक समाचार पत्र प्रयागराज के स्वामित्व सम्बन्धी व अन्य विवरण-

फार्म–४ (नियम–८)

१.	प्रकाशक का नाम	– उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
२.	प्रकाशन का स्थान	– २८६/२३८ ए, कर्नलगंज, प्रयागराज
३.	मुद्रक का नाम व पता	– उमेश चन्द्र श्रीवास्तव २८६/२३८ ए, कर्नलगंज, प्रयागराज
४.	क्या भारतीय है	– हाँ
५.	सम्पादक का नाम	– उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
६.	क्या भारतीय है	– हाँ
७.	पता	– २८६/२३८ ए, कर्नलगंज, प्रयागराज

प्रपत्र-४ आइटम नं.-६ के अन्तर्गत प्रदर्शनीय – उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

कम्पनी/फर्म के अंश धारकों जो प्रदत्त पूंजी के १ प्रतिशत से अधिक के धारक हैं।

मैं उमेश चन्द्र श्रीवास्तव एतद्द्वारा घोषित करता हूं कि उपरोक्त विवरण मेरी जानकारी एवं विश्वास के अनुसार सत्य है।

हस्ताक्षर
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
स्वामी/प्रकाशक

१ मार्च, २०२६

शहर समता

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466

Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।